जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 44 संख्याः 156 प्रभात बीकानेर, शनिवार 31 दिसम्बर, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

शुक्रवार तड़के प्रधानमंत्री मोदी की माँ हीरा बा का निधन हो गया। निधन के बाद प्र.मंत्री की माँ के पार्थिव शरीर का गांधीनगर मुक्तिधाम शमशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। प्र.मंत्री ने अपने भाई के साथ उन्हें मुखाग्नि दी। गांधीनगर के श्मशान में पूरे वैदिक विधि-विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ उनका अंतिम संस्कार हुआ। प्रधानमंत्री और उनके भाईयों ने माँ हीरा बा के पार्थिव शरीर के पंचतत्व में विलीन होने से पहले उनके शरीर में घी का लेप किया। हीरा बा का पूरे हिन्दू रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि देने के समय प्र. मंत्री बहुत भावुक हो गए। अंतिम संस्कार के पहले एवं बाद में प्र.मंत्री मोदी ने अपने भाइयों से मुलाकात की। मोदी ने इससे पहले सुबह अपने भाई पंकज मोदी के घर गांधीनगर के रायता पहुंचे, जहां उनकी माँ हीरा बा रहती थीं। बाद में वे अपने भाईयों सोमभाई, प्रहलादभाई और अम्रतभाई तथा उनके परिवार से मिले। इस बीच प्र.मंत्री के पैतृक गांव वडनगर में व्यापारियों ने हीरा बा के निधन के शोक में तीन दिनों तक बाजार बंद रखने की घोषणा की है।

1979 में इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस के पास केवल दो राज्यों में सरकार थी

इन दोनों राज्यों, आंध्र व कर्नाटक, के मु.मंत्रियों ने, जब आँख दिखाना शुरु किया तो, इंदिरा गांधी ने दोनों राज्यों की सरकार को बर्खास्त कर दिया था, इस बात की बिना परवाह किये कि, तब कांग्रेस के पास किसी भी राज्य में कहीं भी सरकार नहीं रही थी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। जहाँ वर्ष 2022 पूरी तरह सज-संवर कर अलविदा कहने के लिये तैयार है तथा नया वर्ष आने को है, वहीं राजस्थान कांग्रेस को नेतृत्व ने बहुत सस्ते में निबटाया है तथा इसके लिये यह वर्ष अतीत के सबसे खराब वर्षों में से एक रहा है।

छोटे-बड़े सभी कांग्रेसजन अनिश्चितता एवं अस्थिरता एवं उन तौर-तरीकों से उकता चुके हैं, जिन तौर-तरीकों से अशोक गहलोत सरकार, पार्टी नेतृत्व की अवज्ञा करते हुये, जबरन बनी हुई है जिसके फलस्वरुप पार्टी कार्यकर्ताओं में विद्रोह की आग सुलगने, बल्कि भड़कने लगी है।

यह सुनिश्चित तथ्य भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के व्यवहार एवं तौर-तरीकों से सम्बंधित ही है कि कांग्रेस का केन्द्रीय नेतृत्व इतना कमजोर कभी नहीं रहा, जितना कमजोर आज है।

अनुशासनहीनता पर दृढ़ एवं कठोर रुख अपनाने में अनिश्चित, हिचकिचाहटपूर्ण तथा असमर्थ सिद्ध हो रहीं सोनिया गांधी ने राजस्थान के मामले को समय के भरोसे छोड़ दिया है जिससे यह साफ संदेश जा रहा है कि अब उनके नियंत्रण में कुछ भी नहीं रहा है।

एक इंदिरा गांधी थी, जिनके पास 1979 में मात्र दो राज्य सरकारें थीं-आंध्र प्रदेश तथा कर्नाटक। लेकिन इन दोनों मुख्यमंत्रियों ने उन्हें आँखें दिखाई तो उन्होंने दोनों सरकारों को बर्खास्त कर दिया तथा इस बात की परवाह तक नहीं की कि उनके इस कदम का अर्थ यह होगा कि कांग्रेस की सरकार एक भी राज्य में नहीं रहेगी।

और एक सोनिया गांधी हैं, जिनके पास भी केवल दो राज्य सरकारें हैं लेकिन वे मुख्यमंत्रियों को छूने तक में डरती हैं तथा उन्हें यह आशंका रहती है कि वे सरकार गिरा देंगे, खासतौर से अशोक गहलोत ने तो यह धमकी दे रखी है कि नेतृत्व को नीचा दिखाने वाले उनके विद्रोह के फलस्वरुप, अगर उन्हें हटाया गया तो वे सरकार गिरा देंगे। लेकिन, वे अब भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर कायम है क्योंकि गांधी परिवार उनके खिलाफ कार्यवाही करने में बहुत ज्यादा डर रहा है।

- **अब भी सोनिया गांधी के पास भी दो राज्यों, राजस्थान व छत्तीसगढ़, में कांग्रेस की सरकारें हैं।**
- **पर, सोनिया गांधी काफी ''भयभीत'' रही हैं, इस दोनों राज्यों की सरकारों को कुछ भी कहने को बारे में। शायद उनको भय है कि, इन दोनो राज्यों में कुछ छेड़ख़ानी करने पर, मुख्यमंत्री कभी भी सरकार गिरा सकते हैं।**
- **यह भय राजस्थान व मु.मंत्री गहलोत के बारे में ज्यादा है।**
- **हालांकि, यह सच है कि, गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान में विधानसभा चुनावों में कांग्रेस कभी जीत कर नहीं आयी। अतः भाजपा को भी यह स्थिति माफिक आती है कि, हाईकमान की अनिश्चय की स्थिति में, गहलोत ही मु.मंत्री बने रहें तथा गहलोत के नेतृत्व में ही कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव में उतरे।**

ऐसे परिदृश्य में, पार्टी कार्यकर्ता स्वाभाविक रुप से किंकर्तव्यविमूढ़ हैं तथा वे नहीं समझ पा रहे कि आखिर ऊँट किस करवट बैठेगा।

इस साल ने जाते-जाते यह साफ तौर पर दिखा दिया है कि कांग्रेस नेतृत्व अपनी नैतिक सत्ता खो चुका है तथा इतना कमजोर हो गया है कि उन ताकतवर प्रांतीय नेताओं से भयाक्रांत है जिनका पार्टी की आथिरक स्थिति पर नियंत्रण है तथा उस अपार पैसे, जिस पर उनका नियंत्रण है, की बदौलत वे वरिष्ठ नेताओं को अपनी जेब में डाले घूमते हैं।

इस साल ने एक अन्य वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करते हुये भी देखा है, और उनके

(शेष पृष्ठ 5 पर)

प्र.मंत्री मोदी ने माँ के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी

गांधीनगर, 30 दिसंबर (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां हीरा बा का पार्थिव शरीर मुक्तिधाम शमशान घाट में पंचतत्व में हुआ विलीन। मोदी ने अपने भाई के साथ उन्हें मुखाग्नि दी।

प्रधानमंत्री की मां हीराबेन मोदी का पार्थिव शरीर गांधीनगर के श्मशान घाट लाया गया। जहां पूरे वैदिक विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। प्रधानमंत्री और उनके भाईयों ने मां हीरा बा के पार्थिव शरीर के पंचतत्व में विलीन होने से पहले उनके शरीर में घी का लेप किया। हीरा बा का पूरे हिन्दू रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मोदी ने अपने भाई के साथ मां के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी। मुखाग्नि देने के समय प्रधानमंत्री बहुत भावुक हो गए। मुक्तिधाम शमशान घाट में हीरा बा की अंत्येष्टि के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, राज्य सरकार के मंत्री, विधायकों सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

प्रधानमंत्री मां हीरा बा का अंतिम संस्कार करने के बाद शमशान घाट से राजभवन की ओर रवाना हुए। इससे पहले प्रधानमंत्री को जैसे ही मां के निधन की सूचना मिली वह अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए। अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचने से पहले गुजरात के

- **प्र.मंत्री मोदी को जैसे ही माँ के निधन की खबर पता चली वे तुरंत गांधीनगर रवाना हो गये।**

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल वहां मौजूद थे। मोदी हवाई अड्डे से सीधे गांधीनगर में अपने छोटे भाई पंकज मोदी के घर रायसन पहुंचे। प्रधानमंत्री ने मां हीराबेन के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पण कर नमन किया। इसके बाद मोदी ने मां की अर्थी को कंधा दिया। जिसके बाद हीराबेन के पार्थिव शरीर को गांधीनगर के मुक्तिधाम शमशान घाट में अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री की मां हीराबेन का निधन शुक्रवार तड़के साढ़े तीन बजे अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में हो गया। हीराबेन की 100 वर्ष की थी। उन्हें बुधवार को तबीयत बिगड़ने के बाद अहमदाबाद के यू.एन. मेहता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों एवं संगठनों के बड़ी संख्या में नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माँ हीरा बा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

मुर्मू ने अपने शेक संदेश में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां हीरा बा का सौ वर्षों का संघर्षपूर्ण जीवन भारतीय आदर्शों का प्रतीक है। मोदी ने 'मातृ देवो भवः' की भावना और हीरा बा के मूल्यों को अपने जीवन में ढाला।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

क्या ''होनहार पुत्र'' गुलाम नबी वापस घर लौटेंगे कांग्रेस में?

गुजरात व हिमाचल में चुनाव प्रचार के दौरान गुलाम नबी के तेवर काफी बदले-बदले से नज़र आये थे

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। इस समय राजनैतिक हल्कों में, गुलाम नबी आज़ाद की सम्भावित घरवापसी की अटकलें एवं अनुमान जोरों पर हैं। ज्ञातव्य है कि आज़ाद ने कांग्रेस के साथ 52 वर्ष के लम्बे जुड़ाव के बाद, इस साल अगस्त में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था तथा इसके बाद डैमोक्रेटिक आज़ाद पार्टी बना ली थी।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों- महबूबा मुफ्ती तथा उमर अब्दुल्लाह के विपरीत, आज़ाद ने कांग्रेस के इस आव्हान पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है कि गैर-भाजपा दलों के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के अंतिम चरण में शामिल हों। लेकिन अपने राजनैतिक भविष्य पर पुनर्विचार का संकेत देते हुये, उन्होंने गुजरात एवं हिमाचल के हाल ही के चुनावों से पहले, यह जरुर कहा था कि भाजपा के साथ प्रतिस्पर्द्धा केवल कांग्रेस ही कर सकती है। उस समय उन्होंने यह स्पष्टीकरण भी दिया था कि उनके द्वारा उठाये गये मुद्दों का सम्बंध कांग्रेस की कमजोर व्यवस्था से था, कांग्रेस की नीतियों से नहीं। आज़ाद के इस परिष्कृत, संयमित एवं अनुशासित लहजे से प्रभावित होकर, भारत जोड़ो यात्रा के संयोजक दिग्विजय सिंह यात्रा में शामिल होने के आमंत्रण के नवीनीकरण पर विचार कर रहे हैं। पूर्व जी-23 के नेता अखिलेश प्रसाद सिंह तथा भूपिन्दर सिंह हूडा को संकेत दिया गया है कि वे आज़ाद को फिर से पार्टी में आने के लिये प्रेरित करें। बताया जाता है कि वरिष्ठ नेता अम्बिका सोनी ने भी आज़ाद के साथ सम्पर्क साधा है।

आज़ाद यह देख रहे हैं कि पिछले कुछ सप्ताह में, कई नेता उनकी पार्टी छोड़ चुके हैं। इसके ताज़ातरीन उदाहरण

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **गुलाम नबी ने कहा था कि, केवल कांग्रेस ही भाजपा को चुनौती दे सकती है, तथा उन्होंने कभी कांग्रेस की नीतियों का विरोध नहीं किया। उनका विरोध केवल कांग्रेस की कमज़ोर कार्य प्रणाली से था।**
- **गुलाम नबी के बदले हुए तेवर देखकर महासचिव दिग्विजय सिंह ने उन्हें दोबारा, कश्मीर में भारत जोड़ो यात्रा से जुड़ने का आमंत्रण भेजा।**
- **जी-23 ग्रुप के नेता भूपेन्द्र सिंह हूडा व अखिलेश प्रसाद सिंह को गुलाम नबी को वापस पार्टी में लाने के प्रयास से जोड़ा गया है। अंबिका सोनी भी सक्रिय हुई हैं, तथा उन्होंने गुलाम नबी से पुनः संपर्क स्थापित किया है।**
- **पर, वापसी इतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि पार्टी से इस्तीफा देते समय गुलाम नबी ने बहुत व्यंगात्मक पत्र लिखा था, सोनिया गांधी को तथा राहुल गांधी की भी खिल्ली उड़ायी थी। राहुल को ''गैर गंभीर'' राजनीतिज्ञ बताया था।**
- **पर, कांग्रेस हाईकमान सब कुछ भूलकर उन्हें वापस लेने के मूड़ में है, अगर, गुलाम अपने व्यक्तित्व में सुधार लाएं और खेद व्यक्त करें।**

पिता पर दोनों बच्चों के अपहरण का आरोप

जयपुर, 30 दिसंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने छः साल और चार साल की दो संतानों का अपहरण कर अपने पास अवैध रूप से रखने के मामले में उनके पिता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को कहा है कि, वह दोनों बच्चों को दस जनवरी को हाईकोर्ट में पेश करे।

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने बच्चों की मां कम्पूरी देवी मीना की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर बच्चों को कोर्ट में पेश करने के आदेश दिये।**

जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस बीरेन्द्र कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश कम्पूरी देवी मीना की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता धर्मेन्द्र शर्मा ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता के पति मुकेश कुमार ने कोविड लॉकडाउन में याचिकाकर्ता और उसकी दो नाबालिग संतानों को उसके अलवर

(शेष पृष्ठ 5 पर)

यूक्रेन ने यू.एन. के तत्वावधान में एक ''शांति प्रयास'' का प्रस्ताव दिया

पर, यूक्रेन ने इस प्रयास में रूस को तभी शामिल करने की बात रखी, जब रूस बिना शर्त व पूर्णतया हथियार डाल दे

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर। रूस ने यूक्रेन के इस विचार को ''बेतुका'' बताते हुये, इसकी खिल्ली उड़ाई है कि अगले वर्ष फरवरी में संयुक्त राष्ट्र संघ के तत्वावधान में एक शांति शिखर सम्मेलन किया जाये। रूस ने कहा है कि वह ऐसे किसी सम्मेलन में तभी भाग लेगा जब यूक्रेन बिना किसी शर्त के तथा पूरी तरह आत्म समर्पण कर देगा।

कीव सरकार के इस शांति-प्रस्ताव को ''पागलपन'' तथा अमेरिका की ''एक पी.आर.तिकड़म'' बताते हुये, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने कहा, ''हम इस पागलपन भरे विचार को वॉशिंगटन की एक और चाल के रूप में देख रहे हैं क्योंकि इन दिनों वॉशिंगटन कीव सरकार को एक शांति समर्थक के रूप में चित्रित करने की कोशिश कर रहा है।''

उन्होंने कहा, ''हम 24 फरवरी, जिस दिन इस विशेष सैन्य कार्यवाही की वर्षगाँठ है, के दिन संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन.) के मंच पर एक प्रकार का ''शांति सम्मेलन'' के आयोजन के बारे में बात कर रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि कीव नेताओं की योजना के अनुसार, इससे ज़ैलेन्स्की की बेतुकी सोच के क्रियान्वयन में सहयोग मिलेगा, जिस बेतुकी सोच को उन्होंने ''शांति के फॉर्मूले'' के रूप में प्रस्तुत किया हैं।

ज़खारोव ने जोर देते हुये कहा कि पूरे तथा बिना शर्त आत्म समर्पण की स्थिति में, इस प्रकार के किसी सम्मेलन में रूस की सहभागिता का विचार ही कीव की कमज़ोर होती जा रही ताकत का प्रतीक है।

उन्होने जोर देते हुये कहा, ''इसके अलावा अन्य कोई युक्तियुक्त स्पष्टीकरण नहीं है। वे (कीव) एक ऐसी स्थिति पर पहुँच चुके हैं, जहाँ उन्हें ऐसे, बल्कि इससे भी ज्यादा पागलपन भरे विचार आते हैं तथा इन विचारों के किसी न किसी प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय कानूनी आवरण में लपेट कर प्रस्तुत करते हैं लेकिन उनका अंतिम लक्ष्य एक ही है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- **रूस ने यूक्रेन के प्रस्ताव को पागलपन व हास्यास्पद बताया, क्योंकि रूस के अनुसार, रूस के बिना, शांति वार्ता के क्या मायने हैं।**
- **रूस के अनुसार, यूक्रेन का प्रस्ताव वॉशिंगटन की ''पी.आर. एक्सरसाइज़'' है। वॉशिंगटन आजकल यूक्रेन व कीव की सरकार को ''शांति दूत'' की तरह चित्रित करने की कोशिश कर रहा है।**

कांग्रेस के विधायक बजट सत्र से पहले लेंगे इस्तीफे वापस

अन्यथा विधानसभा अध्यक्ष और सरकार को सदन में स्पष्ट करनी पड़ेगी अपनी स्थिति

जयपुर, 30 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में 3 दिन तक रुककर प्रदेश के कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से जो फीडबैक लिया, उसके नतीजे सामने आने लगे हैं और प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के जयपुर से रवाना होने के साथ ही 25 सितंबर को इस्तीफा देने वाले विधायकों की ओर से इस्तीफा वापस लेने की तैयारी शुरू हो गई है। बताया जाता है कि प्रभारी की ओर से दिए गए संकेतों के बाद में मुख्य सचेतक महेश जोशी ने सभी विधायकों को संदेश दे दिया है कि वह विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से मिलकर अपने इस्तीफे निजी स्तर पर जाकर वापस से लें।

दरअसल 23 जनवरी से विधानसभा का बजट सत्र भी शुरू होने वाला है। कांग्रेस को और विधानसभा अध्यक्ष डा. जोशी को यह स्पष्ट पड़ता कि जिन विधायकों ने इस्तीफे दिए थे, उनका स्टेटस क्या है। इन हालात में सत्र शुरू होते ही हंगामा होना तय था। यह भी बड़ा कारण रहा कि कांग्रेस विधायकों के इस्तीफा वापस लेने की प्रक्रिया शुरू हो रही है।

प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ पहली बार राजस्थान मंत्री परिषद की बैठक हुई, जो करीब ढाई घंटे से भी ज्यादा चली और गुरुवार रात 10:45 बजे तक सरकार के मंत्री प्रभारी के सामने अपनी शिकवे शिकायतें करते रहे। बताया जाता है कि 2 दिन तक चले फीडबैक कार्यक्रम के दौरान अधिकांश विधायकों, विधायक प्रत्याशियों, सांसद प्रत्याशियों और पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने मंत्रियों के रवैये को लेकर नाराजगी जताई। प्रभारी रंधावा ने मंत्री परिषद की बैठक बुलाई। तो उन्होंने सभी मंत्रियों से साफ कह दिया था कि आपको लेकर पार्टी में खासी नाराजगी है। यदि रवैया नहीं बदला तो आने वाले दिनों में कई मंत्रियों को पद से हटाया जा सकता है। वैसे भी चुनावी वर्ष में मंत्रिमंडल में एक फेरबदल होना तय माना जा रहा है। ऐसे में यदि मंत्रियों ने अभी भी अपने दरवाजे बंद रखें और पार्टी कार्यकर्ताओं की शिकायतें नहीं की तो उनको हटाने के लिए पार्टी के पास पर्याप्त कारण होंगे।

वैसे तो प्रभारी के साथ बैठक के दौरान अधिकांश मंत्रियों ने बाहर आकर यही कहा कि कोई खास बात नहीं हुई और बजट को लेकर सुझाव मांगे गए थे। लेकिन हकीकत यह रही कि मंत्रियों के आपसी मनमुटाव प्रभारी के समक्ष खुलकर सामने आए। अधिकांश मंत्रियों की पीड़ा यह रही कि उनके कहने से अधिकारी काम तक नहीं करते। यही कारण रहा कि प्रभारी को कहना पड़ा कि मंत्रियों का काम विकेंद्रीकरण के हिसाब से होना चाहिए। जहां तक थर्ड ग्रेड शिक्षकों के तबादलों का मैटर है, तो इसे लेकर बिना किसी नीति के सरकार को कहा गया है, कि वह थर्ड ग्रेड शिक्षकों के तबादले तुरंत शुरू कर दें। क्योंकि यदि नीति बनाकर तबादले किए जाते हैं, तो उसे लेकर नाराजगी प्रकट हो सकती है, जिसका नुकसान पार्टी को आने वाले दिनों में चुनाव के समय उठाना पड़ सकता है। खुद प्रभारी ने पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसी नीति के कारण ही पार्टी को पंजाब में नुकसान उठाना पड़ा।

तीन दिन की फीडबैक कवायद में बहुत सारे शिकवे शिकायतें सामने आई, लेकिन सबसे बड़ी दो ही शिकायतें सामने आई, फीडबैक के दौरान मिलने वाले चाहे विधायक हो ,चाहे विधायक प्रत्याशी हो, या सांसद प्रत्याशी हो, या पार्टी पदाधिकारी रहे हो। सभी ने एक स्वर से बात कही कि यदि जल्दी ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच में सामंजस्य नहीं बिठाया गया तो पार्टी को चुनावी साल में और ज्यादा नुकसान हो सकता है। हालांकि सरकार की योजनाओं को लेकर सभी ने कहा कि योजनाओं का असर आम लोगों पर है, लेकिन पार्टी की अन्तर्कलह इन सारी योजनाओं का असर शून्य होता दिख रहा है।

वैसे भी जाने से पहले प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने एक बात कही है कि दोनों नेताओं के बीच में विवाद को सुलझाना उनका काम है और वह फाइव स्टार में रुकने के लिए नहीं आए हैं, और ग्राउंड रियलिटी जानकर फैसला करेंगे। रंधावा ने कहा कि संगठन और सत्ता में जहां भी सामंजस्य की जरूरत है, उसे बिठाने के लिए काम करेंगे। ऐसे में अब देखना यह है कि प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की 3 दिन की यह कवायद राजस्थान में कांग्रेस को किस ओर लेकर जाती है।

- **इस्तीफा वापस लेने की पहल प्रभारी रंधावा की फीडबैक बैठकों का असर है?**
- **इधर गुरुवार देर रात तक चली मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों के मनमुटाव और शिकवे-शिकायतें ही खुलकर सामने आईं।**

द्रव्यवती नदी मे गंदगी और अव्यवस्था

जयपुर, 30 दिसंबर (का.सं.)। जिले की स्थाई लोक अदालत ने द्रव्यवती नदी में गंदगी व अव्यवस्थाओं से जुड़े मामले में जेडीए सचिव व टाटा प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट मैनेजर से 30 जनवरी तक जवाब देने के लिए कहा है। लोक अदालत ने यह आदेश ओमप्रकाश सैनी के प्रार्थना पत्र पर दिए।

- **लोक अदालत ने ओमप्रकाश सैनी की इस संबंध में दायर याचिका पर जे.डी.ए. और टाटा प्रोजैक्ट को नोटिस जारी किया।**

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि, अमानीशाह नाले की साफ-सफाई व उसे सुव्यवस्थित करने के लिए टाटा प्रोजेक्ट को द्रव्यवती रिवर प्रोजेक्ट का काम दिया था। प्रोजेक्ट के तहत, नाले

(शेष पृष्ठ 5 पर)

विचार बिन्दु

आत्मा एक चेतन तत्त्व है, जो अपने रहने के लिए उपयुक्त शक्ति का आश्रय लेता है और एक शरीर से दूसरे शरीर में जाता है। भौतिक शरीर इस आत्मा को धारण करने के लिए विवश होता है। –गेटे

सर्दी में अमृत समान है गर्म दूध का सेवन

दिसंबर बीतते-बीतते ठंड ने अपने पैर पसार लिए हैं। सम्पूर्ण देश इस समय सर्दी की चपेट में है। उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जिससे लोग थर-थर कांप रहे हैं। चीन में कोरोना कहर ढा रहा है। भारत में भी कोरोना से सतर्कता बरती जा रही है। सर्दी की बीमारियां भी घर-घर में फेल रही है। ऐसे में गर्म दूध का सेवन लोगों को राहत पहुंचा सकता है। रात में गर्म दूध का सेवन किसी औषधि की तरह काम करता है। दूध हर उम्र के लोगों के लिए अमृत समान है। दूध स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और संपूर्ण आहार है। गर्म दूध के सेवन से कई फायदे मिलेंगे। दूध को गर्म करने से इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व कई गुना बढ़ जाते हैं।

आयुर्वेद में गर्म दूध के अनेक फायदे बताये गए है। विशेषकर सर्द मौसम में गर्म दूध का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। एक स्टडी के मुताबिक हर रोज एक गिलास गर्म दूध पीने से स्वास्थ्य बेहतर रहता है। दूध में लौंग अथवा हल्दी को मिलाकर पीने से कई लाभ हो सकते हैं। एक स्टडी रिपोर्ट के मुताबिक दूध और लौंग कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। दूध फॉस्फोरस, मैग्नशियिम, आयोडीन, विटामिन-ए, डी, से भरपूर होते हैं तो वहीं लौंग में कॉर्बोहाइड्रेट, आयरन, सोडयिम की अच्छी मात्रा मौजूद होती है।

आयुर्वेद के अनुसार हल्दी मिला दूध अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता। साथ ही शरीर के दर्द में आराम देता है। हाथ पैर व शरीर के अन्य भागों में दर्द की शिकायत होने पर रात को सोने से पहले हल्दी वाले दूध का सेवन करें। अच्छी नींद, वजन कम, सर्दी-खांसी दूर, ब्लड सर्कुलेशन आदि का कार्य भी करता है। लौंग वाले दूध के लिए बताया जाता है यह गले के लिए फायदेमंद, शरीर में एनर्जी, कब्ज की समस्या से राहत, मुंह की बदबू दूर करने में सहायक और दांतों के दर्द से राहत का काम करेगा।

दूध हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का जतन रखता है और सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व पहुंचाता है जिसमें कैल्शियम, मैगनिशियम, जिंक, फॉसफोरस, ऑयोडीन, आइरन, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी12, प्रोटीन, स्वस्थ फैट आदि शामिल है।

सर्दी हो या गर्मी दूध स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और संपूर्ण आहार है। यह किसी अमृत से कम नहीं है। दूध में पाए जाने वाले पोषक तत्व इसे एक संपूर्ण आहार बनाते हैं। इंटरनेशनल डेयरी जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक जो लोग रोजाना कम से कम एक गिलास दूध पीते हैं वे हमेशा मानसिक और बौद्धिक तौर पर बेहतर स्थिति में होते हैं। शाकाहारी हो या मांसाहारी, बच्चा हो या बुर्जुग सभी वर्ग के लोग दूध सेवन कर सकते हैं।

ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के अनुसार गाय का दूध और उससे बनी चीजें, जैसे पनीर, दही, मक्खन बड़ी मात्रा में कैल्शियम और प्रोटीन प्रदान करते हैं, जो संतुलित आहार के लिए जरूरी हैं।

कैल्शियम और प्रोटीन के अलावा दूध में कई तरह के विटामिन पाए जाते हैं। यह विटामिन ए और डी का बेहतर स्त्रोत है। आयुर्वेद के अनुसार गाय का दूध सबसे अधिक पौष्टिक होता है। दूध आपकी भूख को शांत कर आपको मोटापे से भी छुटकारा दिलाने में बहुत सहायक होता है। दूध अपने आप में एक सम्पूर्ण आहार है। इससे हड्डियां मजबूत होती हैं और दिमाग तेज होता है इसीलिए घर के बड़े-बुजुर्ग से लेकर डॉक्टर्स तक रोजाना दूध पीने की सलाह देते हैं।

भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था क्योंकि यहाँ दूध दही की नदिया बहती थी। दूध हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का जतन रखता है और सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व पहुंचाता है जिसमें कैल्शियम, मैगनिशियम, जिंक, फॉसफोरस, ऑयोडीन, आइरन, पोटेशियम, फोलेट्स, विटामिन ए, विटामिन डी, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी12, प्रोटीन, स्वस्थ फैट आदि शामिल है।

ये बहुत ही ऊर्जायुक्त आहार होता है जो शरीर को तुरंत ऊर्जा उपलब्ध कराता है क्योंकि इसमें उच्च गुणवत्ता के प्रोटीन सहित आवश्यक और गैर-आवश्यक अमीनो एसिड और फैटी एसिड मौजूद होता है। भारत का विश्व दुग्ध उत्पादन में 18 प्रतिशत हिस्सा है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में कृषि के बाद डेयरी उद्योग की प्रमुख भूमिका है। भारत में कुल दूध का यहां 17 प्रतिशत से भी ज्यादा उत्पादन किया जाता है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
(वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार)

राशिफल शनिवार 31 दिसम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, रेवती नक्षत्र दिन 11:47 तक, परिद्य योग प्रातः 8:19 तक, कौलव करण सांय 6:34 तक, चन्द्रमा दिन 11:47 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मीन, मंगल-वृष, बुध-मकर, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 11:41 से आरम्भ होंगे। आज श्री हरि जयन्ती है। पंचक दिन 11:47 तक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:37 से 9:54 तक, चर 12:29 से 1:47 तक, लाभ-अमृत 1:47 से 4:22 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:39

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मनःस्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

कन्या
महत्वपूर्ण कार्यों को दिन के आरम्भ से करने का प्रयास करे। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम भाव में चन्द्र शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय दूर होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक समस्या का समाधान होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

निरीह निम्न व निम्न-मध्यम, आय-वर्ग कर दाता

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

अखवार में छपी एक खबर के अनुसार भारत सरकार का वित्त मंत्रालय आयकर की दरों में कुछ बदलाव करने की सोच रहा है। क्या सरकार सोते से एकदम जागी, कि आयकर की दरों/श्रेणिओं में कुछ बदलाव करना अब आवश्यक है? क्या कार क्रय ,घर क्रय, प्लाट क्रय और हवाई विदेश यात्रा में शामिल व्यक्ति कोई टैक्स नहीं भरता ? सच्चाई से परे है, आयकर न सही अन्य टैक्स तो उन मुद्दों पर देता ही है।

यह त्रासदी है इस देश की जिनसे आयकर लेना है उनसे अथवा उनके किसी वर्ग या प्रतिनिधि संस्था से कोई फीड बैक लेने की जरूरत नहीं समझी जाती? फीड बैक लेते हैं चार्टर्ड अकाउंटेंट की किसी संस्था से। क्या गरीब तबका अपनी कोई सोच नहीं रखता? सरकार की सोच तो राजस्व अधिक से अधिक एकत्रित करने की होती है, उनकी बला से चाहे कोई कितना ही व्यतिथ हो?। विगत कुछ सरकारों में यह देखा गया है कि आय कर हो अथवा जी एस टी, कोई लॉजिकल सोच और सर्वे आधारित व्यवस्था नहीं। आर्थिक सर्वे थोते और वास्तविकता से परे होते हैं। जीएसटी की दरें भी अव्यवहारिक? इतनी ऊंची दर लोगों को बेईमानी करने को बाध्य करती हैं।

व्यक्ति कोई उद्योग, नौकरी, बिज़नेस आदि करता है अपना और अपने परिवार के भरण पोषण के लिए,न कि सरकार को पोषित करने के लिए। एक विश्व विद्यालय का प्रोफेसर विगत वर्षों में अपने एक बच्चे को किसी अच्छे बिज़नेस स्कूल अथवा मेडिकल, इंजिनीरिंग/टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट में नहीं पढ़ा पाया अपने वेतन के धन से। फिर उससे कनिष्ठ लोगों की तो बिसात क्या? इसलिए सरकार से मेरा पहला सबाल है कि नामी गिरामी शिक्षा के केंद्र किसके लिए खोले हैं? निश्चित ही धनाढ्य वर्ग के लिए इसमें कोई संशय नहीं। इस विचार से इस लेख के मेरे पाठक सहमति ही व्यक्त करते नजर आएंगे।

अब बात करते हैं अभी तक लागू आयकर की दरें और श्रेणिओं की। मैं सबसे निम्न और ठीक उससे ऊपर की श्रेणी की तरफ ही पाठकों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करूँगा। वर्तमान में पहली श्रेणी ढाई लाख से पांच लाख की है और उस पर आय का कर है 5 प्रतिशत। ढाई लाख वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं। इससे बड़ी मेहरवानी सरकार की और क्या हो सकती है? न जीने दे ठीक से और न मरने दे। वित्त मंत्री यदि इस वर्ग पर भी कुछ प्रतिशत और टैक्स बढ़ा दें, तो कौन रोकने वाला है?। फिर 5 लाख से 10 लाख आय वर्ग पर आयकर की दर उछल कर 20 प्रतिशत है, श्रेणी में ऐसी उछाल और उसकी दर मैंने अपने 55 वर्ष के प्रोफेशनल जीवन में पहली बार देखी। सरकार ने ही एक गरीब की वार्षिक आय गरीब कहलाने के लिए 8 लाख तक निश्चित कर रखी है। अर्थात 5 लाख से 3 लाख अधिक। मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या ऐसा गरीब पहले 5 प्रतिशत आय कर 5 लाख तक और फिर बाकी 3 लाख पर 20 प्रतिशत आय कर भरता है? वित्त मंत्री अथवा प्रधान मंत्री से यह आग्रह करता हूँ कि वे जनता और विशेष कर निम्न और निम्न-मध्यम आय वर्ग को इस बाबत समुचित स्पष्टीकरण कर संतुष्ट करें, क्योंकि यह समूह सबसे बड़ा है आय कर की दृष्टि से। निम्न और ठीक उससे ऊपर मध्यम आय वर्ग विशेष कर वेतन भोगी निरीह प्राणी है जितना चूसना हो सरकार चूस ले। यह वर्ग सदैव चुसता रहा है। अभी कुछ समय पूर्व अखवार में एक खबर छपी थी कि देश में 4 करोड़ गरीब बढ़ गये। आश्चर्य जनक खबर थी। सरकार के गरीवों के लिए अनगनित प्रोग्रामों के चलते गरीब घटने की बजाय बड़े कैसे? और जनप्रतिनिधिओं की संपत्ति एक ही कार्य काल में तिगुनी तक किस फॉर्मूले से बढ़ जाती है? जनता द्वारा टैक्स नहीं भरने के अनौचित्य तो वे बताते नहीं दीखते परन्तु उन्होंने अपने साथी सांसद और विधायकों की संपत्ति में इजाफा और स्वत: टैक्स नहीं भरने की व्यथा कभी प्रकट नहीं की ऐसा करना क्या आवश्यक नहीं है?

एक सम्पादकीय में मैंने पूछा था कि चार करोड़ गरीब देश में कैसे बढे, कहाँ से आये। इस बाबत मेरा दृष्टिकोण अलग है। ये वे नए गरीब थे जो मध्यम आय वर्ग से निम्न आयवर्ग और फिर धीरे दे खिसक कर गरीब श्रेणी में दाखिल हो गए । ऐसा लोगों का खिसकना पार्टी इन पावर के लिए हितकारी होता है क्योंकि गरीब बनते ही सरकार के अनेक प्रोग्राम का उसे लाभ मिलना आरम्भ हो जाता है और वह सरकार का मोस्ट बफादार और उस पर पार्टी विशेष का पक्का वोट बैंक। है न अच्छी स्कीम, अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए।

ऐसा नहीं है कि सभी लोग इसी प्रकार सीढ़ी उतरते हों। तथाकथित धनाढ्य और उद्योगपति सीडी ऊपर ही चढ़ते हैं नीचे नहीं उतरते। जब तक कि व्यवसाय में दिवाला न निकल जाय लेकिन ऐसा कम ही होता है। देश के गणमान्य अर्थशास्त्रिओं से अनुरोध है कि वे अपनी विषय विशेषज्ञयता से हम जैसे अनाड़ी और अनभिज्ञ व्यक्ति को संतुष्ट करने की कृपा करें।

वर्तमान परिस्तिथिओं में 10 लाख की वार्षिक आय पर जीरो आय कर होना समय की मांग है। अन्यथा केंद्रीय सरकार को अगले चुनाव के बाद सोचने के लिए जनता द्वारा आज से कही अधिक समय उपलब्ध कराने की सम्भावना कहीं न बना दे? मंहगाई आसमान छू रही है, पेट्रोल डीजल के भाव और बिजली की दरें असामान्य रूप से लॉजिकल न होकर बहुत अधिक हैं। जीवन उपयोगी सभी वस्तुएं सामान्य व्यक्ति के लिए दूभर होती जा रहीं हैं। केवल दाल, सब्जी फल आदि की दैनिक मूल्यों में कमी के। ढिंढोरे पीटना सरकार बंद करे।

आम आदमी दाल और पतली तरकारी खा कर काम चला लेता है लेकिन इनके अलावा और भी अनेक खर्चे परिवार के लिए करने होते हैं। बाजार में उपभोक्ता के लिए कीमतें उसकी पहुँच से या तो बाहर हो चुकी है या होने जा रही हैं।

सोशल मीडिया पर यह डिमांड जोर पकड़ रही है कि आय कर के विषय में एक बृहत समिति सभी श्रेणिओं की आयकर दाताओं की बने और वहां पर सभी आयकर सम्बन्धी पहलुओं पर संवाद के बाद आय पर कर दरों का निर्णय हो।

पहला सुझाव है कि सरकार अपने खर्चे कम करे, जितने भी इल्लॉजिकल संस्थाएं बना रखी हैं उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद किया जाना जरूरी है। जिनमे कई न्यास व् आयोग, किसान, विधि कृषि लागत व् उत्पाद मूल्य, आदि, जब पहले से ही भारी भरकम भीमकाय मंत्रालय व् सम्बंधित विशालकाय सचिवालय और उनके निदेशालय मौजूद हों फिर इस अनावश्यक संस्थानों की क्या जरूरत? सांसद और विधायकों की संख्या 25 से 30 प्रतिशत तक 2024 के चुनाव से ही कम की जावे। आवागमन और संचार साधनों के विकास से एक जन प्रतिनिधि अब कहीं अधिक विस्तृत क्षेत्र को संभाल सकता है। जब देश जनप्रतिनिधिओं पर दो सौ अरब प्रतिवर्ष खर्च कर रहा है, इसलिए जन प्रतिनिधिओं की पेंशन तुरंत बंद हो और इनके वेतन भत्ते आदि की आय इनकम टैक्स परिधि में लाई जावे।

प्रधान मंत्री जी कृपया सभी वेतन भोगिओं को पुरानी पेंशन पुन: लागु कर नई पेंशन स्कीम को सरकार समाप्त उसमे जमा धन राशि सम्बंधित प्रदेशों/विभागों को वापिस करे और तत्पश्चात पेंशन टैक्स फ्री की जावे।

हमें स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा जैसा मुख्यमंत्री और मोरारजी भाई जैसा प्रधान मंत्री चाहिए जो विलासता और उससे सम्बंधित वस्तुओं पर कड़े कराधान कर राजस्व अर्जित करे, तथा सामान्य व् निचले वर्ग के आर्थिक और सामजिक सत्तर के उत्थान पर कार्य करे।

सामान्यत: और हैंड टू माउथ रहने वाले लोगों की जिंदगी से सरकार खेलना छोड़े। जब तक देश की निचले और निम्न-मध्यम आय के लोगों की आर्थिक दशा नहीं सुधरेगी तब तक जिंदगी तो लोग जियेंगे लेकिन खुशहाल नहीं कहलायेंगे, क्योंकि अत्याधुनिक सुविधाएँ छोटे और मध्यम आय वर्ग के किसी काम की नहीं। अभी इतना ही।

प्रो.डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेयरीविज्ञ
एम.पी.यू.ए.टी उदयपुर

गौशाला को 90 क्विंटल चारा दिया

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। अलवर जिले के नीमराणा कस्बे के नजदीकी बाबा शरणाईनाथ गौशाला खेड़ी कांटी में भारत विकास परिषद शाखा बहरोड़ द्वारा लगभग 90 क्विंटल चारा व गोशाला कर्मचारियों को 25 कंबल आदि गर्म कपड़े उपलब्ध कराए। गौशाला प्रबंधक पहाड़ी नाथ ने बताया कि गौशाला में चारे का अभाव होने की वजह से उन्होंने भामाशाहों को अवगत कराया जिससे भारत विकास परिषद शाखा बहरोड़ अध्यक्ष कृष्ण कुमार, पूर्व अध्यक्ष प्रेम सेन, संगठन मंत्री राजेश मेहता, कोषाध्यक्ष राकेश, गो भक्त सुरेंद्र यादव तथा गौशाला स्टाफ के महिला, पुरुष एवं बच्चों को 25 कंबल सहित टोपे व स्वेटर आदि गर्म वस्त्र देते हुए 77945 रुपए का लगभग 90 क्विंटल चारा गायों के लिए उपलब्ध कराया गया।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान जैसलमेर पहुंचे

जोधपुर/जैसलमेर, (का.सं.)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शुक्रवार दोपहर जैसलमेर पहुंचे। वे अपने परिवार के साथ जैसलमेर निजी यात्रा पर घूमने आये हैं। वे जैसलमेर के चांधन स्थित खजूर के बागान में बने डेट फॉर्म में रुके। भगवंत मान के साथ उनकी पत्नी और परिवार के सदस्य हैं।

■ शनिवार को मान परिवार एयरपोर्ट से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो जाएगा

जैसलमेर पहुंचने पर प्रोटोकॉल के तहत जिला कलेक्टर टीना डाबी ने उनकी अगवानी की। शनिवार को मान परिवार एयरपोर्ट से चंडीगढ़ के लिए रवाना हो जाएंगे। डेट फॉर्म हाउस के आर्यमन ने बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री बनने के बाद भगवंत मान पहली बार जैसलमेर आये हैं।

जैसलमेर पहुँचने पर जिला कलेक्टर टीना डाबी ने मान परिवार की अगवानी की।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को जोधपुर पहुंचे। आज दोपहर बाद जैसलमेर के लिए रवाना हो गए। वे बीकानेर – नागौर सड़क मार्ग से जोधपुर आए। यहां से सीधे उम्मेद भवन पैलेस में रुके।

कुछ देर आराम के बाद उन्होंने जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस की विजिट भी की। उनके साथ उनकी पत्नी व परिवार के सदस्य हैं। इस दौरान मान ने मीडिया से भी दूरी बनाए रखी। आम आदमी पार्टी के स्थानीय नेताओं को भी उनके कार्यक्रम की जानकारी नहीं थी। शाम को कड़ी सुरक्षा में उन्होंने मेहरानगढ़ किला भी देखा।

करौली में रोज बिक रही है आठ से दस क्विन्टल गजक

गजक जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद के अलावा पाकिस्तान, चीन, श्रीलंका, रूस, अमेरिका तक पहुंच रही है

करौली, (नि.स.)। सर्दी के दिनों में बिकने वाली करौली की मशहूर तिल की गजक विदेशों तक पहुंच रही है।

हर शहर में वैसे तो मिठाइयां और गजक बिकती हैं लेकिन करौली की सर्दी के दिनों में बिकने वाली गुड तिली , गुड़ शक्कर के साथ बनने वाली गजक यही जिले और राज्य में ही नहीं विदेशों तक नाम कमा रही है वैसे तो यहां गजक बनाने वालों की संख्या कम है लेकिन बेचने वालों की संख्या करीब 40 से 50 लोग सर्दी के दिनों में ठेला और दुकान लगाकर गजक बेचते हैं। ठेलो और दुकानों से प्रतिदिन करीब आठ से 10 क्विंटल गजक 150 रुपये किलो से लेकर 400 रुपये किलो तक के भाव से बिकती है। प्रतिदिन करीब 2 से करीब 2.50 लाख रुपए की गजक बिकती है।गौरतलब यह है कि करौली की गजक इतनी प्रसिद्ध हो चुकी है की करौली जिले आस-पास के जिलों और राजस्थान के बड़े शहरों जयपुर, दिल्ली, अहमदाबाद के अलावा विदेशों पाकिस्तान, चीन, श्रीलंका, रूस, अमेरिका तक करौली की गजक इन सर्दी के दिनों में पहुंचती है। यहां 15 से 20 परिवार गजक बनाने का काम करते हैं लेकिन खासतौर से अनवर गजक और मौला गजक के नाम से बिकने वाली गजक सबसे अधिक प्रसिद्ध गजक है। जिनके यहां शुगर फ्री भी गजक बनाकर बेची जा रही है। जिसको शुगर की बीमारी वाले लोग भी इन सर्दी के दिनों में गजक का आनंद लेते हैं इसके अलावा जमील गजब,वसीम गजक भण्डार,संत गजक,जलाल गजक,नूरा गजक के नाम से गजक बाजार में बिक रही है।

करौली में तिल की गजक बनाता अनवर भाई का परिवार।

गौरतलब यह है कि तिल से निर्मित गजक बहुत मेहनत से बनती है यहां के अनवर गजक के नाम से प्रसिद्ध गजक वाले के यहां पहुंचकर संवाददाता ने जाकर पूरी जानकारी ली और उनके बनाने के कारखाने पर पहुंचकर गजक बनाते हुए अनवर खान और उनके पुत्रों सहित कर्मचारियों को कैमरे में कैद किया जिनकी मेहनत सराहनीय है जो प्रतिदिन प्रातः ही मेहनत कर गजक बनाते हैं और दिन में ठेला लगाकर बाजार में बेचते हैं।

सर्दी में गाजर से एक एकड़ में डेढ़ लाख तक की इनकम हो जाती है : राकेश

श्रीगंगानगर, (निसं)। गंगानगर को राजस्थान का पंजाब, राजस्थान का अन्नदाता और अन्न का कटोरा भी कहा जाता है। इंदिरा गांधी नहर ने इस रेगिस्तानी जिले की तकदीर बदली और सिंचित होकर दोमट मिट्टी ने गेहूं, चना और गन्ना खूब उपजाया। बदलते दौर में अब यहां के किसान परंपरागत खेती से मुनाफे की खेती की ओर रुख करने लगे हैं।

मंडी में शोर-शराबे के बीच लाल गाजरों को बोरों में भरकर तैयार किया जा रहा था। गंगानगर शहर से करीब 7 किलोमीटर पंजाब रोड पर चलने के बाद किसानों की प्राइवेट गाजर मंडी (साधुवाली) नजर आई। यह मंडी यहां के किसानों ने ही डेवलप की है। यहां गाजर किसान अपनी उपज लाते हैं। रेट पता किया तो खरीददार ने कहा इस वक्त 9 से 11 चल रहा है। यहां हर दिन करीब साढ़े 7 हजार टन गाजर की बिक्री होती है।

पंजाब के रूपनगर गांव में रहने वाले किसान राकेश बेनीवाल साधुवाली गाजर मंडी में मिले। राकेश ने बताया कि वह श्रीगंगानगर से 50 किलोमीटर दूर पंजाब-राजस्थान बॉर्डर के गांव रूपनगर (पंजाब) में रहते हैं। गंगानगर के खखा गांव तक उनके खेत हैं। रूपनगर पंजाब में है और खखा गांव गंगानगर में। वहां 11 साल से गाजर उगा रहा हूं। पंजाब और राजस्थान में जमीनें(खेत) लीज पर लेकर खेती की है। 2020 में तो 100 एकड़ जमीन लेकर गाजर उगाई थी। अब सुन रहे हैं कि कई देशों में कोरोना फैल रहा है। इसलिए इस बार रकबा घटाकर आधा कर दिया है।

■ पंजाब से गंगानगर आए राकेश बेनीवाल के खेतों से रोजाना दो से तीन ट्रॉली गाजर मंडी पहुंच रही है

राकेश ने बताया कि खेतों में मजदूर गाजर उगाते हैं। उनकी मॉनिटरिंग करता हूं। खेत से निकली सारी गाजर गंगनगर (इंदिरा गांधी नहर) के पास इकट्ठी कर लेते हैं। यहां धुलाई मशीनें लगा रखी हैं। यहां 5-6 वर्कर गाजर धोने का काम करते हैं। इसके बाद इन्हें बोरों में भरकर ट्रैक्टर से साधुवाली मंडी के लिए रवाना कर देते हैं। इन दिनों गाजर का सीजन है। ऐसे में अकेले राकेश बेनीवाल के खेतों से रोजाना दो से तीन ट्रॉली गाजर साधुवाली मंडी पहुंच रही है।

श्रीगंगानगर में पानी की पर्याप्त मात्रा के कारण यह गाजर बेहद लाल और रसीली होती है। अपनी मिठास और रंग के कारण गंगानगरी गाजर की देशभर में डिमांड है।

ऐसे में किसानों ने परंपरागत खेती छोड़कर गाजर की फसल बोना शुरू किया है। राकेश ने बताया कि गाजर की खेती 3 महीने में फसल तैयार जाती और इसमें अच्छी इनकम भी मिल रही थी। गाजर की खेती से 3 महीने में 70 हजार से डेढ़ लाख तक की इनकम हो जाती है। गाजर वेट और रेट अच्छा मिल जाए तो किसान की आय दोगुनी-तीन गुनी हो सकती है। राकेश ने बताया कि सर्दी के वक्त गाजर से एक एकड़ में डेढ़ लाख तक की इनकम हो जाती है। इस वक्त हर महीने 10 लाख तक का प्रोफिट हाथ आ जाता है।

राकेश ने बताया कि बीज तैयार करने के दौरान जो गाजर वेस्टेज के रूप में निकली उसी से 80 हजार का फायदा हो गया। इसके बाद गाजर की खेती की तरफ मेरा रुझान बढ़ गया।

उष्ट्र पर्यटन जब ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेगा तो ऊंट पालकों को लाभ पहुंचायेगा : साहू

बीकानेर,(कासं)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र बीकानेर (एन.आर.सी.सी.) द्वारा स्वच्छ भारत पखवाड़ा 16 से 31 दिसम्बर संबंधी गतिविधियों को उजागर करने के उद्देश्य से आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान ऊंट की ऊन से निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

प्रेस वार्ता के दौरान केन्द्र निदेशक डॉ. आर्तबन्धु साहू ने कहा कि स्वच्छता का हम सभी के जीवन में विशेष महत्व है तथा परिवेश की शुद्धता से एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई संबंधी निर्धारित गतिविधियां तथा ऊंटों में स्वच्छता प्रबंधन आदि को पूरी गंभीरता से निष्पादित किया जाता है। इसके पीछे मूल कारण भारत सरकार के निर्देशों के साथ-साथ इस संस्थान का पर्यटन स्थल के रूप में विश्व विख्यात होना भी है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि इस उष्ट्र संस्थान को देखने वालों की तादाद दिनों दिन बढ़ रही है जो कि इस पशु के इको-टूरिज्म में महत्व को भी स्पष्टत: उजागर करता है।

डॉ. साहू ने केन्द्र द्वारा ऊंट की ऊन से निर्मित विभिन्न उत्पादों, ऊंट के बालों के महत्व एवं इसकी विशेषताओं पर खास प्रकाश डालते हुए कहा कि

राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र बीकानेर के निदेशक डॉ. आर्तबन्धु साहू ने ऊंट की ऊन से निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

ऊंट पालक, इसके बालों को अनुपयोगी न समझें। सीधे तौर पर इन्हें प्रयुक्त न करें बल्कि इनके गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त लाभ कमाएं। डॉ. साहू ने ऊंट का पर्यावरणीय महत्व बताते हुए कहा कि ऊंट अपनी विशालकाय देह के कारण आमजन के लिए कौतूहल का विषय है। अत: इस आधार पर उष्ट्र-पर्यटन जब ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेगा तो यह सीधे तौर पर ऊंट पालकों को लाभ पहुंचायेगा। इसके दूध में विद्यमान औषधीय गुणधर्म एवं दुग्ध व्यवसाय में संभावनाएं, इसके बाल, चमड़ी, हड्डी आदि से पनप रहे कुटीर उद्योग आदि की दृष्टि से इसकी बहुआयामी उपयोगिता इस प्रजाति की प्रासंगिकता को सिद्ध करते हैं।

इस दौरान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में ऊंटों की बढ़ती व भारत में घटती संख्या, परम्परागत उपयोगिता में आ रही कमी, सीमित होते चरागाह, इसके रखरखाव, राजकीय पशु हेतु कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने एवं उष्ट्र व्यापार में बढ़ोतरी लाने हेतु दूसरे राज्यों में इस पशु को ले जाने की नीति में बदलाव-शिथिलता बरतने आदि विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई।

इस अवसर पर केन्द्र के नोडल अधिकारी (स्वच्छता) डॉ. आर. के. सावल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

- ऊंट पालक ऊंट के बालों को अनुपयोगी न समझें। सीधे तौर पर इन्हें प्रयुक्त न करें बल्कि इनके गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार कर अतिरिक्त लाभ कमाएं
- ऊंट की ऊन से निर्मित विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई

अखिल ठुकराल, प्रशासनिक अधिकारी ने केन्द्र में पखवाड़े में आयोजित स्वच्छता गतिविधियों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि अभियान तहत विविध स्थलों की साफ-सफाई, प्रतियोगिता, अपशिष्ट प्रबंधन आदि विभिन्न गतिविधियां संचालित की गई। इस अवसर पर एन.आर.सी.सी. द्वारा ऊंट की ऊन से निर्मित विभिन्न उत्पादों यथा-कम्बल, दरी, कोटी, जैकेट, कम्पोजिट, उष्ट्र बालों से प्राप्त केराटिन पाउडर, गुलदस्ता, उष्ट्र ऊन व इनके निर्मित धागे आदि उत्पादों के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

फायरिंग का आरोपी गिरफ्तार

अनूपगढ़, (कासं)। मंडी घड़साना के गांव रोजड़ी में 26 दिसम्बर को गोली मारकर एक दुकानदार को घायल करने के मामले में घड़साना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी सोनू उर्फ रजनीश रोजड़ी के दुकानदार सुरेन्द्र जैन को गोली मारकर मौके से फरार हो गया था। पुलिस उप अधीक्षक जयदेव सियाग के नेतृत्व में टीमों का गठन कर कई जगह पर दबिश दी गई। आरोपी सोनू उर्फ रजनीश को घड़साना थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। घायल सुरेन्द्र जैन का बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज जारी है। थानाधिकारी जितेन्द्र स्वामी ने बताया कि 26 दिसम्बर को देर शाम सुरेन्द्र जैन के द्वारा दुकान बंद नहीं किए जाने पर आरोपी सोनू उर्फ रजनीश ने गोली मारकर सुरेन्द्र जैन को घायल कर मौके से फरार हो गया था।

पुलिस उपाधीक्षक जयदेव सियाग के नेतृत्व में टीमों का गठन कर कई स्थानों पर दबिश दी गई। आरोपी सोनू उर्फ रजनीश पुत्र घीसाराम निवासी 10 आरजेडी को गिरफ्तार कर लिया है। थानाधिकारी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गांव रोजड़ी में 26 दिसम्बर को एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। उसका अंतिम संस्कार करने वाला उसके परिवार में कोई भी नहीं था। इसलिए सभी ग्रामीणों से शोक स्वरूप बाजार बंद करने व अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कहा गया था मगर सुरेन्द्र ने दुकान बंद नहीं की थी। इसलिए उस पर फायर कर दिया।

सार-समाचार

लैंगिक समानता पर कार्यशाला

बीकानेर,(कासं)। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के सभागार में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा लैंगिक मानदंडों व लैंगिक समानता पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रारम्भ में महाविद्यालय एनएसएस इकाई प्रभारी डॉ. राजीव कुमार नारोलिया ने सभी का परिचय दिया। कार्यशाला आयोजन 'बजट अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र ट्रस्ट, जयपुर' के तत्वावधान में किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य बीकानेर जिले में लैंगिक मानदंडों व लैंगिक समानता पर किए गए सर्वे के परिणामों पर चर्चा व भविष्य की कार्य योजना तैयार करना है। ट्रस्ट के निसार अहमद ने सर्वे के परिणामों व परिणाम स्वरूप समाज में लैंगिक समानता के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की। ट्रस्ट की प्रतिनिधि शबनम अजीज ने विशेषकर बाल संरक्षण कानून पर विस्तृत व्याख्यान दिया तथा बाल संरक्षण संबन्धित वर्तमान कानूनों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ. राजीव कुमार नारोलिया ने सरकार द्वारा प्रदत महिलाओं एवं बच्चों के लिए चलाई गई योजनाओं एवं कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला के अंतिम सत्र में सभी सहभागियों द्वारा समाज में विधमान लैंगिक भेदभाव व रूढ़िवादी परम्पराओं तथा इसको समाज से दूर करने के उपायों व प्रयासों पर युवाओं की भूमिका विषय पर खुली चर्चा की गई। इस कार्यशाला में महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के 40 स्वयंसेवकों ने भागीदारी की।

प्रिया का अभिनंदन 2 को

बीकानेर,(कासं)। अंतरराष्ट्रीय बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल जीतने वाली वाली बीकानेर की लाडली प्रिया सिंह मेघवाल का नागरिक अभिनंदन समारोह सोमवार को आयोजित किया जायेगा। सम्मान समारोह के संयोजक डॉ. रामलाल परिहार ने बताया कि बहुत कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी मेघवाल समाज की एक महिला ने भारत का अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मैडल प्राप्त किया है। यह न केवल मेघवाल समाज के लिए बल्कि संपूर्ण बीकानेर और देश के लिए गौरव की बात है और दलित वंचित और कमजोर परिवारों से जब कोई इतनी बड़ी उपलब्धियों तक पहुंचता है तो यह निश्चित रूप से भारत के विकास को चरितार्थ करता है। संपूर्ण वर्गों के विकास में ही देश का विकास निहित है। परिहार ने बताया कि प्रिया सिंह मेघवाल का नागरिक अभिनंदन सोमवार 2 जनवरी को सुबह 11:15 बजे हंसा गेस्ट हाउस गंगाशहर रखा गया है। आयोजन समिति के सदस्य सुमित शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में बीकानेर के संभाग के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, कर विभाग के अधिकारी, शिक्षा और खेल जगत से जुड़े हुए अधिकारी और समाज सेवक अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम सहयोगी साहित्यकार राजेन्द्र जोशी ने बताया कि प्रिया सिंह का सम्मान युवा वर्ग के लिए प्रेरणा का कार्य करेगा। कार्यक्रम के संरक्षक पूर्व पार्षद हजारी देवड़ा ने बताया कि सक्सेस टॉल्क, खबर अपडेट, खादी ग्रामोद्योग विकास समिति गंगाशहर, गंगाराम मेघवाल मेमोरियल ट्रस्ट कोलासर, मेघवाल समाज सेवा संस्थान करणी नगर, मुक्ति संस्था, एकलव्य तीरंदाजी एकेडमी, ग्रामोदय विकास संस्थान भीनासर, तथागत फाउंडेशन एवं निरोगधाम औषध भंडार गंगाशहर के संयुक्त तत्वावधान में यह नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जा रहा है।

बीकानेर ने 16 मैडल जीते

बीकानेर,(कासं)। मोटी दमन स्थित वात्सल्य स्कूल मगरवाड़ा में दो दिवसीय चौथी वेस्ट जोन पेनचाक सिलाट चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। आयोजन सचिव एलेक्जेंडर फिलिया थॉमस ने बताया कि चैम्पियनशिप में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गोवा राज्य व केन्द्र शासित दमन दीव दादरा नगर हवेली सहित कुल सात स्टेट यूनिट के 250 से अधिक सिलाट खिलाड़ियों ने भाग लिया। जोनल चैम्पियनशिप में सिंगा, मेकन, प्री-टीन, सब-जूनियर, जूनियर तथा सीनियर वर्ग के मेल फिमेल खिलाड़ियों ने टेंडिग, टंगल, गांडा, रेगु एंड सोलो इवेंट्स में अपने कौशल का प्रदर्शन कर मैडल प्राप्त किये। जिसमें ओवर ओल फर्स्ट ट्रॉफी महाराष्ट्र स्टेट, सैकंड ट्रॉफी राजस्थान तथा थर्ड ट्रॉफी दमन दीव ने जीती। डिस्ट्रिक्ट पेनचाक सिलाट एसोसिएशन बीकानेर के जाइंट सैक्रेटरी धनंजय सारस्वत ने बताया कि वेस्ट जोन पेनचाक सिलाट चैम्पियनशिप में बीकानेर जिले से 12 सदस्यीय दल ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु व भार वर्ग में 03 गोल्ड, 07 सिल्वर तथा 06 ब्रोंज मैडल सहित 16 मैडल जीतकर बीकानेर जिले का नाम रोशन किया है। जिसके लिए पेनचाक सिलाट राजस्थान स्टेट ट्रेजरार देवेन्द्र सारस्वत, डिस्ट्रिक्ट प्रेसीडेंट पुरुषोत्तम ओझा, विप्र फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष भंवर पुरोहित, डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिएशन प्रेसीडेंट सीए सुधीश शर्मा, भाजपा खेल सह संयोजिका शोभा सारस्वत ने प्रसन्नता जताई। इंडियन पेनचाक सिलाट फैडरेशन के नेशनल प्रेसीडेंट किशोर प्रकाश येवले, दमन दीव एलेक्जेंडर थॉमस, पेनचाक सिलाट राजस्थान स्टेट चेयरमैन दिनेश बांगड़, प्रेसीडेंट महेश कायथ, जनरल सैक्रेटरी पूरनमल जाट तथा वैदिक मार्शल आर्ट एकेडमी कोच एंड ट्रेनर का आभार व्यक्त किया।

अर्द्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी में फायदेमंद रही डिजिटल पढ़ाई

बीकानेर,(कासं)। अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के दौर में जिले के 600 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों के लिए जिला प्रशासन का डिजिटल इनीशिएटिव फॉर क्वालिटी एजुकेशन कार्यक्रम (डिआईक्यूई) बेहद फायदेमंद साबित हुआ है।

नवम्बर के 20 कार्य दिवसों में इन शिक्षण संस्थाओं में स्मार्ट टीवी से 29 हजार 600 घंटे अध्ययन करवाया गया। वहीं दिसम्बर में अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पूर्व के सात कार्य दिवसों में इन संस्थाओं में 12 हजार 700 घंटे से अधिक समय तक डिजिटल माध्यम से पढ़ाई करवाई। कुल मिलाकर इन 600 स्कूलों ने अब तक 42 हजार 300 घंटों से अधिक समय तक डिजिटल तकनीक से पढ़ाई करवाकर विद्यार्थियों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा है। मतलब प्रत्येक स्कूल ने इन 27 दिनों में औसतन 70 घंटे डिजिटल माध्यम से अध्ययन करवाया है।

राज्य सरकार के स्टेट इनीशिएशन फॉर क्वालिटी एजुकेशन की तर्ज पर

- छह सौ स्कूलों ने 27 कार्य दिवसों में 42 हजार घंटे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई कराई

जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल द्वारा योजनागत तरीके से पूरे अभियान को धरातल पर उतारा गया।

सर्वप्रथम जिला कलेक्टर द्वारा आंकलन करवाया गया कि जिले के कितने स्कूल ऐसे हैं, जहां एक ही शिक्षक नियुक्त हैं अथवा स्वीकृत पदों की तुलना में कम अध्यापक नियुक्त हैं, जिससे बच्चों का अध्ययन प्रभावित हो रहा है। रिपोर्ट के आधार पर 600 स्कूल चयनित किए गए।

इन संस्थाओं में अध्ययन के वैकल्पिक तरीकों पर मंथन किया गया और दूसरे चरण में जिला कलेक्टर द्वारा जिले के भामाशाहों और दानदाताओं से इन शिक्षण संस्थाओं में स्मार्ट टीवी के माध्यम से अध्यापन कार्य नियमित बनाए रखने संबंधी चर्चा की। दानदाताओं ने इसमें रूचि दिखाई और लगभग सवा करोड़ रूपये से अधिक राशि के स्मार्ट टीवी उपलब्ध करवाये गए।

जिला स्तर पर 5 अक्टूबर को वृहद कार्यक्रम आयोजित हुआ और प्रदेश के शिक्षा मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के साथ भामशाहों की मौजूदगी में इन सभी संस्थाओं के प्राचार्यों को ये टीवी वितरित किए गए। साथ ही एक सप्ताह में इन्हें इनस्टॉल करते हुए इनके माध्यम से अध्ययन प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए। इन सभी स्कूलों के एक कक्ष को स्मार्ट कक्ष बनाने के लिए भी निर्देश दिए गए, जिससे इसी कक्षा में बैठकर बच्चे पढ़ सकें। प्रत्येक स्कूल को कोर्स के अनुरूप डिजिटल कंटेंट उपलब्ध करवाए गए। जिले के ऐसे समस्त प्राथमिक स्कूलों में उच्च क्षमता के हार्ड डिस्क में यह कंटेंट दिए गए। प्रत्येक स्कूल में इन स्मार्ट टीवी के माध्यम से होने वाले शिक्षण कार्य की मासिक रिपोर्ट भी संकलित की गई।

प्रयोगशाला सहायकों की नियुक्ति की मांग

अनूपगढ़,(कासं)। पंचायत समिति सदस्य और युवा कांग्रेस नेत्री रामदेव बावरी ने चिकित्सा मंत्री प्रसादी लाल मीना से मुलाकात की। यह मुलाकात मंत्री के आवास पर हुई। मुलाकात के दौरान रामदेव बावरी ने मांग पत्र सौंपते हुए प्रयोगशाला सहायकों की नियुक्ति की मांग उठाई।

पत्र में रामदेव बावरी ने बताया कि 2018 में प्रयोगशाला सहायक भर्ती परीक्षा हुई थी। जिसकी एक सूची जारी हो चुकी है। लेकिन अभी करीब 600 से 650 अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं मिली है। बावरी ने मंत्री को बताया कि प्रयोगशाला सहायक कोरोना के दौरान पूरी सेवाएं दे चुके हैं। ऐसे में अभी कोरोना के मद्देनजर यदि प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति दी जाती है तो राज्य में कोरोना नियंत्रण में मदद मिलेगी। जिस पर चिकित्सा मंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह से गंभीर है। वंचित अभ्यर्थियों की जल्द नियुक्ति की जायेगी। रामदेव बावरी ने कहा कि चिरंजीवी योजना से लाखों लोगों को फायदा मिल रहा है।

तिलकुट की सौंधी महक से बाजार गुलजार

नोखा, (निसं)। तिलकुट निर्माण का कार्य जोरों पर प्रारम्भ हो चुका है। नोखा शहर में तिलकुट की दुकानें भी सज गई हैं। दुकानों पर ग्राहकों का आने जाने का सिलसिला शुरू हो चुका हैं। तिलकुट की सोंधी सौंधी महक बाजार में सबको लुभा रही है।

आगामी 14 जनवरी एवं 15 जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जायेगा। इस बार मकर संक्रांति का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाये जाने की संभावना है। इसको लेकर तिलकुट बनाने के लिय कई दुकानों पर कारीगर आ गए हैं। सुबह से देर रात तक तिलकुट का निर्माण का कार्य किया जा रहा हैं। मकर संक्रांति के तिल खाने की परम्परा हैं जो की धर्म से जोड़ कर देखा गया हैं। जबकि दूसरी ओर जाड़ा के मौसम में तीन खाना स्वास्थ्य के लिया लाभदायक माना जाता हैं। नोखा मुख्य बाजार में कई दुकान तिलकुट की सज गई हैं। मुख्य बाजार से लेकर बस स्टैंड तक कहीं-कहीं दुकानदारों द्वारा तिलकुट को सजाया गया हैं। ग्रामीण इलाका से ग्राहकों का प्रतिदिन खरीदारी के लिया भीड़ देखी जा रही हैं।

- नोखा के मुख्य बाजार में कई दुकानें तिलकुट की सज गई है
- 220 से 280 रूपये किलो तक भाव हैं

तिलकुट के व्यवसाई प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार तिलकुट का बाजार अच्छा रहने कि संभावना दिखाई पड़ रही हैं। ग्राहकों का डिमांड देखा जा रहा हैं। पिछले साल के अपेक्षा इस साल मामूली तिलकुट के दामों में वृद्धि हुई हैं। नोखा मुख्य में सजी तिलकुट के दुकानों में भीड़ देखी जा रही हैं। हालांकि फिर भी ग्राहकों द्वारा खरीदारी की जा रही हैं। महंगाई के कारण कुछ वृद्धि की गई हैं। जिसमे खस्ता तिलकुट 220 के प्रतिकिलो, खोवा निर्मित तिलकुट 280 के प्रतिकिलो, गुड़ के तिलकुट 240 प्रति किलो बिक रहा हैं।

पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग

हनुमानगढ़, (कासं)। आप कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर एडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन सौंपकर पेपर लीक मामले की सीबीआई से जांच की मांग की।

प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक प्रकरणों की सीबीआई जांच करवाने की मांग मुखर होने लगी है। हाल ही वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा में जीके का पेपर लीक होने के बाद यह मांग और तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रतिभा देवठिया को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के जरिए राज्य सरकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक प्रकरण की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की गई। आम आदमी पार्टी के राजवीर माली ने कहा कि राजस्थान सरकार में

- आप कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर सीएम के नाम ज्ञापन सौंपा

बीते चार वर्षों में सरकारी भर्ती प्रतियोगिता परीक्षाओं के पेपर लीक होने से बेरोजगार युवाओं पर दोहरी मार पड़ रही है। एक बेरोजगार युवा सरकारी भर्ती के इंतजार के बाद हजारों रूपये खर्च कर तैयारी करता है।

वह परीक्षा वाले दिन या अगले दिन पेपर लीक की खबर से भयानक रूप से आहत हो जाता है। इन सबके बीच वह कहीं न कहीं सुसाइड या अन्य कोई गलत मार्ग का चयन कर लेता है। उन्होंने पेपर लीक प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने की मांग की।

केमिस्ट एसोसिएशन का स्नेह मिलन 5 को

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर डिस्ट्रिक्ट केमिस्ट एसोसिएशन का स्नेह मिलन समारोह के साथ पौषबड़ा कार्यक्रम 5 जनवरी को मानक गेस्ट हाउस, नोखा रोड गंगाशहर में होगा।

आज नोखा केमिस्ट एसोसिएशन और देशनोक केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ नोखा ओर देशनोक में मीटिंग कर नोखा और देशनोक के केमिस्ट साथियों को निमंत्रण दिया गया। नोखा केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेन्द्र पुरोहित सचिव ओम राठी, किशन ओझा, महावीर छिम्पा, फुसराज बाहेती, पुरषोत्तम तापड़िया, घनश्याम छिम्पा, किशोर दम्मानी, शिव दम्मानी, महेन्द्र मालू, चंद्रकांत ओझा आदि केमिस्ट उपस्थित थे। केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में देशनोक में मीटिंग हुई।

बीकानेर ईस्ट रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से आने वाली रेल रूकी

बीकानेर,(कासं)। रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित बीकानेर ईस्ट रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को पहली बार चहल-पहल दिखाई दी। बीती रात रानी बाजार अंडरब्रिज का काम शुरू हुआ तो दिल्ली से आने वाली रेल यहीं रूकी।

अब तक सूनसान पड़े इस स्टेशन पर बकायदा अनाउंसमेंट हुआ। कुली नजर आए। यात्रियों को यहां से बीकानेर जंक्शन ले जाने के लिए टैक्सी कम और बसें ज्यादा नजर आई। दरअसल रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए यहां बसों की खास व्यवस्था की थी। रेल अंडरब्रिज के निर्माण हेतु ट्रैफिक ब्लॉक के कारण शुक्रवार को यहां रेल यातायात बाधित रहा। ऐसे में बीकानेर ईस्ट रेलवे स्टेशन पर दिल्ली से आने वाली रेल रूकी। इसके अलावा हरिद्वार से आने वाले वाड़ी रेल भी यहीं रूक

- बीती रात रानी बाजार अंडरब्रिज का काम शुरू हुआ तो ट्रेनें यहां रूकी

रही है। ईस्ट स्टेशन से बीकानेर रेलवे स्टेशन तक जाने के लिए नि:शुल्क बसों की व्यवस्था की गई। गाड़ी संख्या 12457 दिल्ली सराय बीकानेर एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 14718 हरिद्वार बीकानेर एक्सप्रेस रेल सेवा इस मार्ग पर बाधित है। सुबह 5:30 बजे ही बीकानेर मंडल की तरफ से बीकानेर ईस्ट स्टेशन पर नि:शुल्क बसों की व्यवस्था कर दी गई थी।

इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक जितेन्द्र शर्मा के निर्देशन में रेलवे सुरक्षा बल का स्टाफ, रेलवे टिकट चैकिंग स्टाफ, रेलवे कर्मचारी एवं कुली आने वाले रेल यात्रियों की सहायता के लिए पहुंच गए थे। पहली गाड़ी संख्या 12457 दिल्ली सराय बीकानेर एक्सप्रेस प्रात: 5:55 पर बीकानेर ईस्ट स्टेशन पर पहुंची।

गाड़ी के आने पर बीकानेर ईस्ट रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए गाड़ी के वहीं समाप्त होने की एनाउंसमेंट किया गया। यात्रियों की सहायता के लिए कुलियों की भी व्यवस्था की गई है। रेलवे कर्मचारियों द्वारा एवं रेलवे सुरक्षा बल के जवानों द्वारा यात्रियों को बसों पर लगाए गए नंबरों के अनुसार कतार में यात्रियों को बसों में बैठाया गया। बसों के पीछे डिक्की में रेलयात्रियों का सामान रखवाया जा रहा था। एक-एक करके प्रत्येक बस में रेलयात्रियों के सवार होने पर बसें रवाना की गई।

कलेक्टर ने खाजूवाला में किया विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने शुक्रवार को खाजूवाला के विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया और आमजन के हितों से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने पुलिस थाना का निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाना, महिला डेस्क, अनुसंधान कक्ष और बंदी गृह का अवलोकन किया। स्वागत कक्ष की व्यवस्थाओं को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए। इस दौरान वृत्ताधिकारी (पुलिस) विनोद कुमार और थानाधिकारी अरविंद शेखावत मौजूद थे। जिला कलेक्टर ने पंचायत समिति के अवलोकन के दौरान मनरेगा शाखा, कंप्यूटर कक्ष, निर्माण एवं लेखा सहित विभिन्न शाखाओं की लंबित पत्रावलियों की जानकारी ली।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण विभाग है। इस

बीकानेर कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल (गले में मफलर) ने खाजूवाला में सरकारी कार्यालयों का निरीक्षण किया।

कार्यालय से जुड़े कार्मिक पूर्ण जिम्मेदारी से कार्य करें। इस दौरान सरपंच एसोसिएशन के खलील खां पड़िहार ने मनरेगा और बीएडीपी के कार्यों के भुगतान सहित विभिन्न बिन्दुओं पर आधारित ज्ञापन सौंपा। निरीक्षण के दौरान यहां गत वर्ष की पाठ्यपुस्तकें पड़ी मिली। इनका वितरण नहीं किए जाने को जिला कलेक्टर ने गंभीरता से लिए।

- कलेक्टर ने पुलिस थाना सहित एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण किया

उन्होंने उपखंड अधिकारी और तहसीलदार कार्यालय का निरीक्षण भी किया। यहां की रिकॉर्ड शाखा, निर्वाचन शाखा और रीडर कक्ष आदि का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कार्यालय की सभी पत्रावलियां व्यवस्थित रहें। इनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यहां ई-मित्र प्लस मशीन को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उपखंड अधिकारी श्योराम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मोहम्मद अबरार पंवार, तहसीलदार डॉ. गिरधारी सिंह, विकास अधिकारी राजेंद्र जोईया सहित अधिकारी मौजूद रहे।

घायल की इलाज के दौरान मौत

नोखा, (निसं)। कांकर रोड पर घायल अवस्था में मिले युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। बेटे ने व्यक्तियों द्वारा अपने पिता की हत्या का मुकदमा दर्ज कराया।

सोमलसर के भागीरथ ने नोखा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया कि 22 दिसंबर को सुबह करीब 10 बजे उसके पिता संतोष कुमार अपनी मोटरसाइकिल पर बैठकर घर से गए थे। भागीरथ ने बताया कि उनके पास उनका मोबाइल व 50 हजार रुपए थे। उस दिन शाम को उनसे फोन पर बात हुई थी, लेकिन वो घर नहीं आए।

23 दिसंबर को सुबह 6 बजे ओमप्रकाश पारीक ने उसे घर आकर बताया कि उसके पिता संतोष कुमार सोमलसर से घट्टू जाने वाली कांकर रोड पर करीब 1 किमी दूरी पर घायल अवस्था में पड़े है। जिसकी सूचना पर भागीरथ मौके पर पहुंचा तो सन्तोष कुमार घायल अवस्था में पड़े थे। जहां से संतोष को नोखा अस्पताल लेकर गए। उनकी जेब से 50 हजार रूपए व मोबाइल फोन गायब था।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

क्रमांक :- LU2012/SGN/2022-23/100541 **लोक सूचना** दिनांक : 30.12.2022

आनन्दम हाईटस डवलपर्स प्रा. लि. जरिये निदेशक श्री हेमंत सिंघल पुत्र श्री श्याम लाल सिंघल निवासी आरडी-08 रिद्धि सिद्धि एन्कलेव-प्रथम, श्रीगंगानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् :-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं./भूमि का विवरण चक 4 एमएल मुरब्बा नं. 47 के	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1	चक 4 एमएल तहसील व जिला श्रीगंगानगर	आनन्दम हाईटस डवलपर्स प्रा. लि. जरिये निदेशक श्री हेमंत सिंघल पुत्र श्री श्याम लाल सिंघल	किला नं. 1,2 व 3 प्रत्येक में 0.253 है. किला नं. 4/3 में 0.127 है. किला नं. 7/2 की 0.127 है. में से 0.054 है. किला नं. 8 की 0.253 है. में से 0.107 है. किला नं. 9 की 0.253 है. में से 0.107 है. किला नं. 10 की 0.253 है. में से 0.107 है., यथाकुल 1.261 हैक्टे.	कुल 1.261 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भितर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 30.12.2022 को जारी की गयी।

- प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगरपालिका मंडल सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर(राज.)

क्रमांक/भूमि/भूउप/2022-23/4658-60 दिनांक:28.12.2022

आपत्ति सूचना

हर आम व खास एवं हितबद्ध रखने वाले हर शख्स को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि सूरतगढ़ एज्यूकेशनल एण्ड सोशल वेलफयर ट्रस्ट सूरतगढ़ जरिये अध्यक्ष श्री प्रवीण अरोड़ा पुत्र श्री वली राम जाति अरोड़ा निवासी एन.एच.62 सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर ने आवेदन पत्र प्रस्तुत कर कस्बा सूरतगढ़ के खसरा नं.318/2 व 318/3 की 0.421 हैक्टेयर यानि 4210 वर्गमीटर का कृषि भूमि से अकृषि प्रयोजनार्थ (संस्थानिक) रूपान्तरण हेतू 90 ए के तहत भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।मास्टर प्लान में उक्त स्थल आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु प्रस्तावित है। अत: उक्त स्थल का आवासीय भूमि से संस्थानिक प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह शख्स अपनी लिखित आपत्ति इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर पालिका कार्यालय में निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। मियाद गुजरने पर कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका सूरतगढ़

इंदिरा रसोई में कच्ची रोटी खाने को मजबूर गरीब लोग

नगरपरिषद द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद भी नहीं सुधरे हालात

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय की भालेरी रोड पर स्थित इंदिरा रसोई में गरीब लोग कच्ची रोटी खाने को मजबूर हैं। यहां नियमित मॉनिटरिंग एवं निरीक्षण नहीं होने के कारण इंदिरा रसोई के संचालक खुलेआम गरीब लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। दुखद बात यह है कि प्रशासन की अनदेखी एवं मिलीभगत के कारण

■ **प्रशासन की सतर्कता की पोल खुलकर सामने आई**

यहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा चलाई जा रही जनहित की एक शानदार योजना बीमारी का घर बन गई है।

हालांकि यहां कई माह पहले सभापति पायल सैनी ने खुद भारी अनियमितताएं देखी थी। उन्हें यहां कच्ची और जली हुई रोटियां, दूषित सब्जी आदि परोसी गई थीं। सभापति ने संचालकों को फटकार भी लगाई थी। इतना होने के बाद चार पांच दिन तक तो ठीक-ठाक खाना दिया। उसके बाद फिर अपनी पुरानी आदत के अनुसार कच्ची रोटियां, बासी सब्जी आदि परोसना शुरू कर दिया।

आज भी लोगों को कच्ची रोटियां परोसी गई। एक बात समझ में नहीं आ रही है कि ये अधिकारी इंदिरा रसोइयों की जांच क्यों नहीं करते हैं।

चूरू में भालेरी रोड स्थित इंदिरा रसोई जहां कच्चा खाना परोसा जा रहा है।

मजे की बात तो यह है कि संचालक नगरपरिषद द्वारा नोटिस दिए जाने के बाद भी नहीं सुधरे हैं। यहां नगरपरिषद के भरत पूनियां ने बताया कि सभापति द्वारा निरीक्षण किया गया था, अनियमितता मिलने पर भालेरी रोड़ स्थित इंदिरा रसोई के संचालक को नोटिस भी दिया गया था। पूनियां ने बताया कि यहां तीन इंदिरा रसोईयां एक जने द्वारा ही संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अब पुन: नोटिस दिया जाएगा।

काछोला सरपंच ने ग्राम विकास अधिकारी को पीटा

थानेदार के मामला दर्ज नहीं करने पर कर्मचारी संघ धरने पर बैठा

पंचायत सरपंच की दंबगई के खिलाफ कर्मचारियों ने रैली निकाली।

मांडलगढ़, (निस) मांडलगढ़ उपखण्ड के काछोला कस्बे में ग्राम पंचायत सरपंच प्रहलाद नट की दबंगई का मामला सामने आया है।

■ **काछोला सरपंच पर फर्जी पट्टे, आबादी भूमि पर अतिक्रमण करने सहित कई आरोप लगाए**

सरपंच ने अपने मातहत ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र मिश्रा की सरेआम पिटाई कर जान से मारने की धमकी दे डाली । इस मामले में ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र मिश्रा आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट देने थाने गए तो थानेदार के रिपोर्ट नहीं ली । पीड़ित ने काछोला के सरपंच प्रहलाद नट व सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने वाले एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मांडलगढ़ डीएसपी कीर्ति सिंह के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है ।ओर इस मामले की एक रिपोर्ट उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी को भी दी गई हैं।राज्य सयुंक्त कर्मचारी संघ ने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन कर कलम डाउन हड़ताल शुरू कर दी है और सरपंच की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं ।

मांडलगढ़ डीएसपी कीर्ति सिंह ने काछोला थानाधिकारी दिलीप सिंह को मामले की जांच कर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। विवाद को लेकर काछोला थाने के बाहर प्रदर्शन किया और धरने पर बैठ गए। कर्मचारी संघ ने प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों को ज्ञापन दिया। काछोला के सरपंच प्रहलाद नट व अतिक्रमी महावीर आचार्य की गिरफ्तारी की मांग की। ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र मिश्रा ने बताया कि काछोला कस्बे में सरपंच के एक करीबी व्यक्ति महावीर आचार्य द्वारा पंचायत के बेश कीमती भूखण्ड पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य किया जा रहा था। अवैध निर्माण बन्द करने के लिए अतिक्रमी महावीर आचार्य को दो बार नोटिस देकर पाबंद किया गया था। उसके बाद भी अवैध निर्माण कार्य बंद नहीं किया गया।

साथ ही सरपंच द्वारा मनरेगा योजना में नियम विरुद्ध सीसी सड़क का निर्माण करवाया जा रहा था। ये सब सरपंच की मिलीभगत से किया जा रहा है।अवैध निर्माण को रोकने के लिए विडिओ नरेंद्र मिश्रा मौके पर पहुँचा। इस दौरान सरपंच प्रहलाद नट एवं अतिकर्मी महावीर आचार्य ने विडिओ मिश्रा के साथ बाजार में मारपीट व गाली-गलौज की एवं जान से मारने की खुली धमकी दी गई।

उत्कर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस पर छूट का आज आखिरी दिन

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा नववर्ष के उपलक्ष्य में देश भर के विद्यार्थियों के लिए अपने ऑनलाइन कोर्सेस पर रखे गए महा डिस्काउंट ऑफर का शनिवार को आखिरी दिन है। 29 से 31 दिसम्बर तक चल रहे इस तीन दिवसीय ऑफर के तहत उत्कर्ष एप के 650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेस पर विद्यार्थियों के लिए 90 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है।

उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि संस्थान द्वारा वर्ष 2022 की समाप्ति से ठीक पहले विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप डिस्काउंट ऑफर की घोषणा की गई है। इसके अंतर्गत उत्कर्ष एप में उपलब्ध केन्द्रीय व राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं एवं स्कूली ट्यूशन क्लासेस के लाइव फ्रॉम क्लासेस और रिकॉर्डेड ऑनलाइन कोर्सेस वास्तविक शुल्क से बेहद कम शुल्क में विद्यार्थी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त उत्कर्ष एप के ऑनलाइन कोर्सेस सीएससी या ई-मित्र से खरीदने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट का भी प्रावधान है।

■ **उत्कर्ष एप के 650 से अधिक ऑनलाइन कोर्सेस पर 90 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध**

संस्था प्रमुख ने बताया कि इसके अंतर्गत आईएएस, एसएससी, बैंक, रेलवे, केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) इत्यादि के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा एवं बिहार के विभिन्न राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं सहित नीट-जेईई, क्लेट, सीयूईटी, डिफेंस, नर्सिंग, कृषि, न्यायपालिका परीक्षा, इंजीनियरिंग के ऑनलाइन कोर्सेस के अलावा सीबीएसई एवं आरबीएसई तथा विभिन्न राज्य बोर्ड के कक्षा 6 से 12 तक (हिंदी व अंग्रेजी माध्यम) की ऑनलाइन ट्यूशन क्लासेस 90 प्रतिशत तक के डिस्काउंट ऑफर में प्राप्त करने का आज आखिरी दिन है।

पूर्व विधायक राठौड़ ने कुशलक्षेम पूछी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के शेरगढ़ तहसील के भूंगरा गांव में गत दिनों हुई गैस त्रासदी के शिकार लोगों की कुशलक्षेम पूछने के लिए पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ शुक्रवार को एमजीएच पहुंचे। शेरगढ़ के पूर्व विधायक बाबू सिंह राठौड़ ने महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती सभी घायलों से कुशलक्षेम पूछी।

राठौड़ ने बताया कि गैस त्रासदी में अब तक छोटे-बड़े कुल 35 मौतें हो चुकी है । जो कि बहुत ही दुखद है। अस्पताल में भर्ती अब सात घायल खतरे से बाहर है। राठौड़ ने अस्पताल प्रशासन से मिलकर उनकी स्वास्थ्य की जानकारी ली। महात्मा गांधी अस्पताल अधीक्षक राजश्री बोहरा ने बताया कि सभी घायल खतरे से बाहर है। साथ ही राठौड़ ने सभी घायलों से मिलकर उनको आश्वस्त किया कि अस्पताल प्रशासन आप लोगों के इलाज में कोई कमी नहीं रखेगा।

शीतला माता मंदिर पर दुर्गाष्टमी को उमड़ी भीड़

चाकसू नगरपालिका कस्बे के उत्तर दिशा में मात्र तीन किलोमीटर दूरी पर स्थित छोटी पहाड़ी शीलकी डूंगरी पर शीतला माता मंदिर में दुर्गाष्टमी पर भक्तों की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। दूर-दूर से आई माताएं बहिनें सुलभ शौचालय नहीं होने से इधर-उधर भटकती नजर आई। प्रसाद के नाम पर दुकानदारों की मनमर्जी, वाहन पार्किंग व्यवस्था का अभाव व पुलिस की मनमर्जी यहां आम बात है।

बीकानेर और करौली में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज

बीकानेर में गुरुवार रात हुई बारिश के बाद सुबह कोहरे से एन एच पर वाहन रेंगते नजर आए

बीकानेर, (कासं) दो दिन सर्दी से थोड़ी राहत के बाद अब बीकानेर प्रदेशभर में सबसे ठंडा जिला हो गया है। बीकानेर और करौली में पिछले चौबीस घंटे में सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा। बीकानेर में गुरुवार रात हुई बारिश के बाद सुबह कोहरे से राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई।

कोहरे के कारण सुबह जनजीवन भी पूरी तरह प्रभावित नजर आया। मौसम विभाग ने प्रदेश में 29 दिसम्बर से तापमान में बढ़ोतरी की भविष्यवाणी की थी, जो सही साबित हुई। बीकानेर सहित प्रदेश के अधिकांश जिलों में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हुई है, जिससे सर्दी से कुछ राहत मिली। इस बीच बीकानेर में गुरुवार रात करीब दस बजे बारिश हुई। कुछ मिनट की इस बारिश के बाद ठंडक बढ़ गई। तापमान में भी गिरावट आई। बीकानेर में पिछले दिनों में पारा डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है, वहीं खुले क्षेत्रों में तो शून्य डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंचा है। बारिश के बाद सुबह नौ बजे तक भी बीकानेर में कोहरे का असर नजर आया।

उधर, बीकानेर संभाग के हनुमानगढ़ में 9.5 डिग्री सेल्सियस, श्रीगंगानगर में 9.3 डिग्री सेल्सियस और चूरू में 9.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। बीकानेर के अलावा चूरू में हल्की बारिश हुई है। चूरू में भी न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज हुई है। पिछले दो दिन में संभाग के सभी जिलों में तापमान में बढ़ोतरी है।

मंत्री अनुराग ठाकुर ने आकाशवाणी केन्द्र का निरीक्षण किया

जोधपुर आकाशवाणी केन्द्र पर मंत्री अनुराग ठाकुर ने उपमहानिदेशक को निर्देश दिए।

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज आकाशवाणी केंद्र परिसर का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों को स्वच्छता का सही मायने में पालन करने को कहा। ठाकुर ने स्टूडियो और तकनीकी परिसर सहित केंद्र का भ्रमण भी किया। केंद्रीय मंत्रीअनुराग ठाकुर ने परिसर को स्वच्छ रखने और उपलब्ध स्थान का अधिकाधिक सदुपयोग करने के भी दिशा निर्देश दिए। ठाकुर ने कहा कि पुराने और अनुपयोगी सामान का नियमानुसार निष्पादन भी किया जाए। इस अवसर पर आकाशवाणी केंद्र के उप महानिदेशक के के माथुर व अन्य अधिकारियों सहित आकाशवाणी के कर्मचारिगण भी उपस्थित थे।

चाइनीज धागे की अवैध बिक्री रोकने की मांग

चूरू, (कासं)। यूथ फॉर स्वराज के जिला संयोजक राजेश चौधरी के नेतृत्व में यूथ और स्वराज के कार्यकर्ताओं ने जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग के नाम तहसीलदार को ज्ञापन देकर चाइनीस धागे की अवैध बिक्री रोकने की मांग की गई। जिला संयोजक राजेश चौधरी ने बताया कि मकर सक्रांति के त्यौहार पर पतंग उड़ाई जाती है और चाइनीस धागे का व्यापार अवैध रूप से खुलेआम बाजारों में हो रहा है।

हर साल इस चाइनीस धागे से लाखों पक्षी और हजारों की संख्या में राहगीर घायल होते हैं। कुछ की तो मृत्यु भी हो जाती है, प्रशासन छुटपुट कार्यवाही जरूर करता है लेकिन सख्त कार्रवाई नहीं करता है जिसके कारण इस प्रकार की घटनाएं हर वर्ष होती है। ज्ञापन देने वालों में जिला संयोजक राजेश चौधरी, सिकेंद्र सिंह, विजय सैनी, ललित चौहान, हंसराज स्वामी, चंद्रप्रकाश सारण, भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष रामरतन सियाग, हेमंत, विकास, मनोज कुमार, एडवोकेट सुरेंद्र राहड, सुरेंद्र सैनी, अनिल कुमार खासोली आदि मौजूद रहे।

जी-20 का आयोजन फरवरी में, प्रशासन कर रहा उच्चस्तरीय तैयारियां

शहर को चमकाने के साथ आकर्षक पेंटिंग और हैंडीक्राफ्ट को भी प्रमोट किया जाएगा

जोधपुर, (कासं)। शहर को जी 20 सम्मेलन के लिए तैयार किया जा रहा है। फरवरी माह में जोधपुर में होने वाली जी-20 की बैठकों के दौरान जोधपुर की छवि अच्छी जाए इसके लिए दोनों नगर निगम में कमर कस ली है। एक्स्ट्रा टीम और एक्स्ट्रा संसाधन लगाकर शहर को चमकाने के साथ आकर्षक पेंटिंग और हैंडीक्राफ्ट को भी प्रमोट किया जाएगा। दोनों नगर निगम की महापौर और अधिकारियों ने अलग-अलग प्रेस वार्ता कर इस बारे में जानकारी साझा की।

महापौर उत्तर कुन्ती परिहार ने बताया कि दुनिया के 20 देशों का प्रतिनिधि मंडल जोधपुर का दौरा करेंगे। इस दौरान शहर में भ्रमण के अलावा महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित होगी। इसको देखते हुए जनवरी प्रथम सप्ताह में विशेष सफाई अभियान शुरू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत सभी वार्डों में नियमित सफाई के अलावा सभी वार्डों में अतिरिक्त मैन पावर लगाकर सफाई करवाई जाएगी। डिवाइडर पर रंग रोगन करने, दीवारों पर पेंटिंग करने, मुख्य सडक़ों पर सफाई और डिवाइडर के आसपास सफाई करने का काम भी इस अभियान के तहत किया जाएगा।

■ **एयरपोर्ट के बाहर एक बड़े आकार का साफा भी लगाया जाएगा**

नगर निगम दक्षिण की ओर से जनवरी के दूसरे सप्ताह में प्रत्येक वार्ड में सफाई अभियान शुरू किया जा रहा है। महापौर दक्षिण वनिता सेठ ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन कई मायनों में महत्वपूर्ण है और इसमें दुनिया भर के विभिन्न देशों के प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। इस दौरान पूरे वार्ड में सफाई सीवरेज के कार्य होंगे। इसके अलावा रोड डिवाइडर पेंटिंग करने, मुख्य सडक़ पर कलर वॉशिंग करने, पेड़ों की छंटाई करने, हाथ ठेलों वालों को व्यवस्थित करने, अवैध बैनर होर्डिंग हटाने, आवारा पशुओं को पकडऩे और धार्मिक व पर्यटन स्थलों की सफाई का कार्य किया जाएगा। महापौर दक्षिण वनीता सेठ बताया कि हमारा प्रयास होगा कि यहां आने वाले विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल जोधपुर की स्वच्छ छवि लेकर जाए।

निगम दक्षिण की ओर से एयरपोर्ट में विशेष प्रकार की पेंटिंग करवाई जा रही है जिससे कि आने वाले प्रतिनिधि यहां की अच्छी छवि लेकर जाए। एयरपोर्ट के बाहर ही एक बडे आकार का साफा भी लगाया जाएगा और साथ ही एयरपोर्ट गैलरी में हैंडीक्राफ्ट के उत्पाद भी सजाए जाएंगे।

त्यागपत्र खेल के प्रायोजक न्यायालय का सामना करने की स्थिति में नहीं थे : राजेन्द्र राठौड़

'इसीलिये अब इस्तीफे वापस लिये जाने की सुनियोजित योजना को अंजाम दे दिया गया है'

- राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष 2 जनवरी को सूचीबद्ध 91 विधायकों के त्यागपत्र के संबंध में प्रतिपक्ष उपनेता ने दिया वक्तव्य
- 'त्यागपत्र के एक लाइन के निर्धारित प्रारूप का परीक्षण करने में ही स्पीकर को 90 दिन लग गये'
- 'मैं उच्च न्यायालय से यह मांग करूँगा कि संवैधानिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के साथ किए गए इस सुनियोजित विश्वासघात में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए और उन्हें न्यायालय की ओर से प्रताड़ित भी किया जाए।'

जयपुर। प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने मुख्य न्यायाधीश के न्यायालय में दो जनवरी को सूचीबद्ध 91 विधायकों के त्यागपत्र के संबंध में वक्तव्य दिया कि 25 सितंबर 2022 को 91 विधायकों ने स्वयं उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षरों से त्यागपत्र विधानसभाध्यक्ष को सौंपे थे। यदि विधायक ने अपनी सीट से इस्तीफा देने का निर्णय कर स्वयं उपस्थित होकर स्पीकर को त्यागपत्र सौंपा तो उसमें कोई जांच आवश्यक नहीं थी। ना तो ये संभव है कि 91 विधायकों से जबरन इस्तीफा लिखा लिए गए हो और ना ही यह संभव है कि 91 विधायकों के हस्ताक्षर कूटरचित कर दिए गए हों। विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के अनुसार उन्हें तुरंत प्रभाव से स्वीकार कर लिया जाना आवश्यक था। त्यागपत्र के एक लाइन के निर्धारित प्रारूप का परीक्षण करने में ही 90 दिन लग जाएं, यह तथ्य साबित करता है कि उच्च न्यायालय के समक्ष 2 जनवरी 2023 को सूचीबद्ध हो रहे प्रकरण में त्यागपत्र खेल के प्रायोजक इस कारगुज़ारी के लिए न्यायालय का सामना करने की स्थिति में नहीं थे और इसलिए अब इस्तीफ़े वापस ले लिए जाने की सुनियोजित योजना को अंजाम दे दिया गया है।

उन्होंने वक्तव्य में कहा कि पिछले 90 दिनों से राजस्थान में एक ऐसी सरकार अस्तित्व में रही है जिसको स्पष्ट रूप से सदन का विश्वास हासिल नहीं था, तुरंत प्रभाव से दिया गया इस्तीफा वापस लिए जाने का क़ानून में कोई प्रावधान नहीं है और ना ही कोई प्रक्रिया त्यागपत्र वापस लिए जाने बाबत दी गई है। वैसे भी जिस विधायक ने इस्तीफा दिया है उसे विधायक पद पर बने रहने के लिए स्पीकर कानूनन मजबूर नहीं कर सकते थे। यह इस्तीफा देने वाले विधायक की नैतिकता होनी चाहिए कि इस्तीफा देने के बाद वह उसकी स्वीकृति का इंतजार न करें। इस दौरान इन सभी विधायकों ने नैतिकता को ताक में रखते हुए राजकीय सुविधाओं का पूरा-पूरा लाभ लिया है, और नीतिगत निर्णय किए हैं। इन 91 विधायकों के नाम जनता के समक्ष उजागर किए जाने चाहिए ताकि जनता को भी यह पता चले कि उनके द्वारा सदन में भेजा गया सदस्य अपने स्वार्थ के लिए उनके भरोसे और जन भावना के साथ किस कदर खिलवाड़ कर सकता है ताकि अगले चुनावों में जनता उसको कठोर सबक़ सिखा सके। विधायक से अपेक्षित होता है कि वह उसे जिताकर सदन में भेजने वाले नागरिको और संविधान के प्रति पूरी ईमानदारी से प्रतिबद्ध रहे। ये सभी 91 विधायक कम से कम 90 दिवस में ली गयी सरकारी सुविधाओं और वेतन को तो वापिस राजकोष में जमा करवाएं। इन सभी विधायकों ने सुनियोजित रूप से संविधान के साथ षड्यंत्रपूर्वक एक खेल खेला और अब प्रकरण उच्च न्यायालय में सुनवाई हेतु सूचीबद्ध होने पर न्यायिक प्रक्रिया के संभाव्य गम्भीर परिणामों से डर कर त्यागपत्र वापस लिया जाना साबित करता है कि यह इस्तीफ़ा कांड ना केवल एक अनैतिक कृत्य था बल्कि संविधान, संवैधानिक प्रक्रिया और प्रजातांत्रिक व्यवस्था के साथ सामूहिक रूप से एक खुला धोखा कारित किये जाने के समकक्ष है। इस दिखावटी और बनावटी इस्तीफा कांड की मैं भर्त्सना करता हूँ। ऐसे गम्भीर संवैधनिक विषयों में प्रदर्शित किए गए असंवैधानिक आचरण से व्यथित होकर मुझे उच्च न्यायालय की शरण लेने को मजबूर होना पड़ा, लेकिन न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किए जाने से प्रजातांत्रिक प्रक्रिया को येन केन सत्ता में बने रहने का औज़ार समझने वालों का वास्तविक चेहरा सामने आ गया। मेरी जनहित याचिका के अनुसार मैं उच्च न्यायालय से यह मांग करूँगा कि संवैधानिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के साथ किए गए इस सुनियोजित विश्वासघात में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए और उन्हें न्यायालय की ओर से प्रताड़ित भी किया जाए।

जयपुर में जुटेंगे देश-विदेश के 3000 गैस्ट्रोएंटरॉलजिस्ट

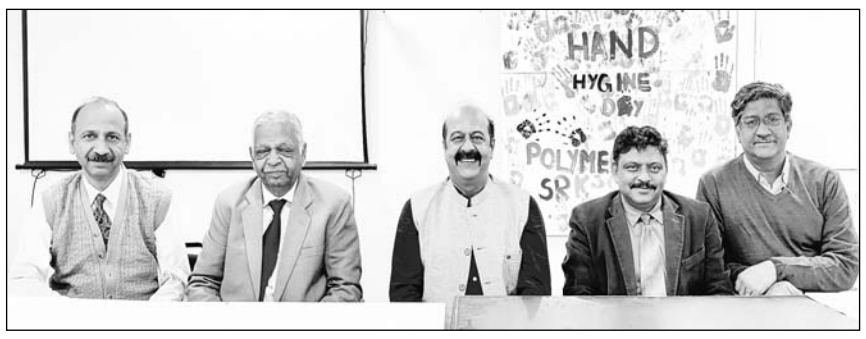

कॉन्फ्रेंस के बारे में (बायें से) डॉ. अनुराग गोविल, डॉ. रमेश रूप राय, डॉ. संदीप निझावन, डॉ.अमित माथुर और डॉ. मुकेश कल्ला ने जानकारी दी।

- इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से जयपुर में 5 जनवरी को चार दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 का आयोजन
- चीफ गेस्ट के रूप में अभिनेता अमिताभ बच्चन शामिल होंगे

जयपुर,(कासं)। पेट से जुड़ी बीमारियों के इलाज में आई नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए आगामी 5 से 8 जनवरी तक देश-विदेश के नामी गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट जयपुर में जुटेंगे। इंडियन सोसयटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से सीतापुरा स्थित जेईसीसी में 63वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन 2023 का आयोजन होने जा रहा है। इस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से 3 हजार से अधिक विशेषज्ञ भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन बतौर चीफ गेस्ट शिरकत करेंगे।

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स के साथ कई तरह की एक्टीविटीज शामिल की गई हैं। चार दिनों में कई सेशन होंगे जिसमें अलग-अलग देशों की सीनियर फैकल्टी नई रिसर्च और अन्य जानकारियां साझा करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में यूरोप के डॉ. पाओलो एंजली, यूएसए से डॉ. अनिता अफजाली और डॉ. नोरा टेरॉट, मलेशिया से डॉ. रुनसुन, जर्मनी से डॉ. हेलमट न्यूमन, डॉ. गेरॉल्ड हॉल्टमैन और जापान से यामा मोटो जैसे नामी गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट आ रहे हैं।

कॉन्फ्रेंस के ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला ने बताया कि इस दौरान हैंड्स ऑन ट्रेनिंग सेशन भी होगा जिसमें नई तकनीकों को से सिम्युलेटर पर प्रयोग किया जाएगा। इसमें ईयूएस, हीमोक्लिप, सुपरफेशियल स्टमक कैंसर ट्यूमर रिमूवल जैसे प्रोसीजर्स किये जाएंगे। कॉन्फ्रेंस के जॉइंट ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. अनुराग गोविल और डॉ. अमित माथुर ने बताया कि एकेडमिक्स के अलावा गेस्ट्रो रन, गोल्फ टूर्नामेंट, सुपर सिंगर और फोटोग्राफी से जुड़ी एक्टीविटीज भी की जाएंगी।

हीराबा के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माताजी हीरा बा के निधन पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है।

सतीश पूनियां ने कहा कि, माँ...शब्द में ही जैसे सृष्टि समायी है, वो दैविक शक्ति स्वरूपा होती हैं, आदरणीय हीरा बा ने संघर्ष, त्याग और सादगीपूर्ण जीवन से गांव, गरीब, किसान सहित सभी वर्गों के लिये आगे बढ़ने की प्रेरणा का कार्य किया है, हम सभी देशवासियों और नई पीढ़ी के लिये उनका सादगी से परिपूर्ण जीवन हमेशा संबल एवं प्रेरणा का कार्य करेगा।

भारतीय जनता पार्टी राजस्थान परिवार और राजस्थान प्रदेश की जनता की तरफ से माँ हीरा बा को भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबल प्रदान करें।

सांसद हनुमान बेनीवाल के घर चोरी करने वाले तीन बाल अपचारी पकड़े

- जालूपुरा थाने से महज 30 मीटर दूर स्थित सरकारी आवास में गुरूवार को दिनदहाड़े हुई थी चोरी
- चोर घर की आलमारी तोड़कर डेढ़ लाख रुपए, सोने के चार कंगन, 4 अंगूठियां, चांदी के सिक्के, एंटीक वस्तुएं, रसोई और बाथरूम में लगे नल और रजाई-कम्बल तक चुरा ले गए थे

जयपुर (कासं)। लोकसभा सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के जालूपुरा स्थित घर में लाखों रुपये के चोरी मामले में जयपुर पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को पकड़ा है। पुलिस ने निरूद्ध बाल अपचारियों के कब्जे से चांदी जैसी धातू के 23 सिक्के, एक मुकुट, 4 कटोरदान, एक चम्मच, पांच कम्बल, दो ट्रॉली बैग, टॉवल पैकेट, बड़ा टेडी बियर, 2 शॉल, 24 दुप्पटे, चप्पल जोड़ी, 9 नल पार्ट्स तथा टायर वाला खिलौना बरामद किया है। फिलहाल बाल अपचारियों से शेष माल के बारे में पूछताछ की जा रही है।

दरअसल जयपुर पुलिस कमिश्नरेट से महज 100 मीटर दूर स्थित सांसद हनुमान बेनीवाल के सरकारी आवास में गुरुवार दोपहर को चोरी की वारदात हुई थी। इस घर से मात्र 30 मीटर की दूरी पर जालूपुरा थाना है, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। बताया जा रहा है कि चोरों ने घर से लाखों रुपये की नकदी, ज्वेलरी और एंटीक सामान पार किया था। घटना की जानकारी सामने आने के बाद सांसद हनुमान बेनीवाल की तरफ से शुक्रवार सुबह रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वारदात को लेकर नागौर सांसद ने ट्वीट कर पुलिस पर भी निशाना साधा।

बेनीवाल ने रिपोर्ट में बताया कि चोर घर की आलमारी तोड़कर डेढ़ लाख रुपए, सोने के चार कंगन, 4 अंगूठियां, चांदी के सिक्के, एंटीक वस्तुएं, रसोई और बाथरूम में लगे नल और रजाई-कम्बल तक चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी, शुक्रवार देर शाम पुलिस ने तीन बालअपचारियों को पकड़कर कुछ माल बरामद किया। उधर शुक्रवार को सांसद हनुमान बेनीवाल ने ट्वीट कर पुलिस अधिकारियों को भी घेरा। बेनीवाल ने बताया कि उनका घर थाने से 30 मीटर की दूरी पर है। जयपुर कमिश्नरेट में सांसद के घर चोरी हो रही है तो फिर आम लोगों का क्या हो रहा होगा?

प्रदेश में 3 नए करोना संक्रमित मिले शुक्रवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को 3 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस दौरान बेहतर रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 73 रह गए हैं। राहत की बात यह भी है कि पिछले कई दिनों से राज्य में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 2 जिलों में 3 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 8 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में 2 और उदयपुर में 1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में कालवाड़ और पावटा में 1-1 संक्रमित पाया गया है। उधर प्रदेश में 3236 जांचे की गई है। इससे पहले गुरूवार को 9653 जांचे की गई थी। प्रदेश में पिछले कई दिनों से रिकवरी में आ रही गिरावट के बाद शुक्रवार को इसमें सुधार हुआ है। इस दौरान राज्य में 21 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 73 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में आज 20 मरीजों के रिकवर होने से अब एक्टिव केस 58 बचे हैं। प्रदेश में शुक्रवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

फुटबॉल के बेताज बादशाह पेले का निधन

साओ पाउलो, 30 दिसंबर। ब्राजील के पूर्व फुटबाल स्टार और तीन बार के विश्व कप चैम्पियन पेले का निधन हो गया। वह 82 साल के थे। चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार फुटबॉल के बेताज बादशाह पेले कोलन कैंसर से पीड़ित थे और साओ पाउलो के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। एथलीट ऑफ द सेंचुरी श्री पेले को 29 नवंबर को साओ पाउलो में अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोविड-19 के पीड़ित होने के बाद उन्हें कोलन कैंसर के उपचार के लिए श्वसन संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। फुटबॉल के इस बेताज बादशाह ने गुरुवार दोपहर को अस्पताल में अंतिम सांस ली।

अस्पताल की रिपोर्ट में कहा, अस्पताल खेद के साथ पुष्टि करता है कि एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो पेले की आज 29 दिसंबर अपराह्न तीन बजकर 27 मिनट पर शरीर के कई अंगों के काम न करने के कारण निधन हो गया। वह कोलन कैंसर से पीड़ित थे। रिपोर्ट में बताया गया कि इजरायली अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल की पेल के परिवार के प्रति सहानुभूति है और फुटबॉल के बेताज बादशाह पेल के निधन से उनके प्रशंसक बहुत निराश और दुखी हैं। पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्वकप जीता था। उन्होंने ब्राजील की तरफ से 77 गोल किए। उनके इस राष्ट्रीय रिकॉर्ड की हाल में विश्वकप के दौरान नेमार ने बराबरी की थी। पेले की रोसमेरी डोस रिस चोल्बी और असिरिया सेक्सास लेमोस से शादियों से पांच बच्चे और बिना शादी के दो बेटियां हैं। बाद में उन्होंने कारोबारी मार्शिया सिबेले ओकी से शादी कर ली थी।

शोक में डूबा फुटबॉल जगत

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। ब्राज़ील के सर्वकालिक महान फुटबॉलर और तीन विश्व कप जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो उर्फ पेले के निधन पर फुटबॉल जगत शोक में डूब गया।

पेले के हमवतन नेमार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, वह जा चुके हैं लेकिन उनका जादू जिन्दा है। पेले हमेशा रहेंगे। मैं कहूंगा कि पेले से पहले फुटबॉल सिर्फ एक खेल था। पेले ने इसे बदल दिया है। उन्होंने फुटबॉल को कला, मनोरंजन में बदल दिया।

ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले का गुरुवार को कैंसर से लड़ाई के बाद साओ पाउलो के अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में निधन हो गया। पेले और नेमार 77 गोलों के साथ ब्राजील के लिये सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि पेले की 'स्मृति हम सभी फुटबॉल प्रेमियों में हमेशा जीवित रहेगी।'

मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के पूर्व फॉरवर्ड ने इंस्टाग्राम पर लिखा, शाश्वत राजा पेले को एक मात्र अलविदा कभी भी उस दर्द को व्यक्त करने के लिये काफी नहीं होगा जिसे पूरा फुटबॉल जगत इस समय महसूस कर रहा है। इतने लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा, कल, आज और हमेशा। आपने हमेशा मुझे जो प्रेम दिखाया, वह हर उस पल में था जिसे हमने दूरी से भी साझा किया।

रोनाल्डो ने कहा, उन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकेगा और उनकी यादें हम सभी फुटबॉल प्रेमियों के मन में हमेशा रहेंगी। किंग पेले को शांति मिले। फ्रांस के युवा फुटबॉलर कीलियन एमबापे ने पेले के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, फुटबॉल के राजा हमें छोड़कर जा चुके हैं लेकिन उनकी विरासत कभी भूली नहीं जायेगी। श्रद्धांजलि, महाराज।

हाल ही में विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पर पेले के साथ तस्वीर साझा करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की। पेले ने करीब दो हफ्ते पहले इंस्टाग्राम पर एक हार्दिक पोस्ट में अर्जेंटीना के साथ विश्व कप जीतने पर मेसी को बधाई दी थी, जबकि हैट्रिक स्कोर करने के बावजूद हारने पर फ्रांस के फारवर्ड एमबापे को सांत्वना दी थी।

ब्राजील के साथ 2002 में विश्व कप जीतने वाले रोनाल्डो नज़ारियो ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा, मेरे दोस्त, तुम्हारे बाद आना कितनी सौभाग्य की बात है। आपकी प्रतिभा एक स्कूल है जिससे हर खिलाड़ी को गुजरना चाहिये। उनकी विरासत पीढ़ियों को लांघती हुई आ रही है। आप इसी तरह जीवित रहेंगे। आज और हमेशा, हम आपको याद करेंगे। धन्यवाद, पेले। शांति से रहें।

उन्होंने कहा, पेले जहां पहुंचे, वहीं रुके रहे। शीर्ष को कभी नहीं छोड़ने के बाद वह आज हमें छोड़ गये। फुटबॉल का बादशाह एक ही है। सर्वकालिक महान। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पेले की 'चुंबकीय मौजूदगी' का वर्णन करते हुए कहा, जब आप उनके साथ होते थे तो बाकी दुनिया रुक जाती थी। उनका जीवन फुटबॉल से बहुत बड़ा है। उन्होंने ब्राजील, दक्षिण अमेरिका और दुनिया भर में बेहतर धारणाओं को बदल दिया। उनकी विरासत को शब्दों में बयान करना मुमकिन नहीं। इन्फेंटिनो ने कहा, आज हम सभी अपने प्रिय पेले की गैरमौजूदगी के नुकसान का शोक मनाते हैं लेकिन उन्होंने बहुत पहले ही अमरता प्राप्त कर ली थी और इसलिये वह अनंत काल तक हमारे साथ रहेंगे।

पेले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील के विख्यात फुटबाल खिलाड़ी पेले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे खेल की दुनिया की अपूरणीय क्षित बताया है। मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा, पेले का निधन से खेल जगत में एक अपूरणीय क्षित हुई है। पेले सुपरस्टार फुटबाल खिलाड़ी थे। उनकी लोकप्रियता देश की सीमाओं से ऊपर थी। उनका उत्कृष्ट खेल और सफलतायें आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेंगी। उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदना और उनकी शांति के लिए प्रार्थना।

भारतीय फुटबॉल ने पेले के निधन पर सात दिन के शोक की घोषणा की

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने ब्राज़ील के महान फुटबॉलर और तीन बार के विश्व चैंपियन पेले के निधन पर उनके जीवन और उपलब्धियों को याद करने के लिये शुक्रवार को सात-दिवसीय शोक की घोषणा की। एआईएफएफ के महासचिव डॉ शाजी प्रभाकरन ने कहा, हम फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले के निधन से बेहद दुखी हैं। हम उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिये सात दिन का शोक मनाएंगे। इस दौरान एआईएफएफ का ध्वज आधा झुका रहेगा। फुटबॉल की दुनिया के बेताज बादशाह पेले के भारत के साथ पुराने संबंध रहे हैं। वह सबसे पहली बार 1977 में भारत आये थे जब उनके क्लब कॉसमॉस ने कोलकाता में मोहन बागान एफसी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था।

अपने देश के लिए कम उम्र के गोल करने वाले खिलाडी थे

देखा जाए तो पेले का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 7 जुलाई 1957 को माराकाना में अर्जेंटीना के खिलाफ था, जहां ब्राजील को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में उन्होंने 16 साल और नौ महीने की उम्र में ब्राजील के लिए अपना पहला गोल किया। इसके साथ ही वह अपने देश के लिए सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी बने रहे। इसके बाद फीफा वर्ल्ड कप 1958 की बारी आई जहां पेले ने कमाल कर दिया।

17 साल की उम्र में जिता दिया था वर्ल्ड कप

1958 के उस वर्ल्ड कप के जरिए ब्राजील पहली बार चैम्पियन बना तो उसमें 17 साल के पेले की अहम भूमिका रही थी। पेले ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 5-2 की शानदार जीत में हैट्रिक बनाई। फिर स्वीडन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने दो गोल दागे। कुल मिलाकर पेले ने उस वर्ल्ड कप में छह गोल दागे थे जिसके लिए उन्हें बेस्ट यंग प्लेयर का अवॉर्ड मिला था। पेले ने इसके बाद 1962 और 1970 में भी ब्राजील के लिए विश्व कप जीता। अब तक उनसे ज्यादा बार वर्ल्ड कप किसी ने नहीं जीता है।

दागे है हजार से ज्यादा गोल

पेले ने प्रोफेशनल करियर में कुल 1363 मैच खेलकर 1279 गोल दागे। इस दौरान ब्राजील के लिए उन्होंने 92 मैचों में 77 गोल किए थे। 19 नवंबर 1969 को जब पेले ने अपना 1000वां गोल दागा था तो हजारों लोग पेले से मिलने के लिए मैदान में पहुंच गए थे। ऐसे में गेम को कफी देर तक रोकना पड़ गया था। पेले के 1000वें गोल की याद में सैंटोस शहर में 19 नवंबर को 'पेले डे' मनाया जाता है। पेले 1995 से 1998 तक ब्राजील के खेल मंत्री भी रह चुके हैं। पेले को साल 1999 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने सदी का बेस्ट एथलीट चुना था।

तीन शादियां की थी

पेले अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहे और उन्होंने 3 शादियां की थी। उनकी पहली शादी रोजमेरी डोस रईस चोल्बी के साथ सन 1966 में हुई। इससे उन्हें 2 बेटियां भी हुई, लेकिन 1982 में उनका तलाक हो गया। सन 1981 से 1986 तक वे मारिया दा ग्राका मेनेघेल के साथ रिलेशनशिप में रहे। जब पेले ने उनके साथ डेटिंग शुरू की तो मेनेघेल सिर्फ 17 वर्ष की थीं। इसके बाद पेले ने 1991 में मनोवैज्ञानिक अस्सिरिया लेमोस सेइक्सास के साथ शादी की। सेइक्सास और पेले के जुड़वां बच्चे हुए। साल 2008 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। इसके बाद 2016 में पेले ने मर्सिया ओकी से शादी की।

वेटर के रूप में भी किया था काम

साओ पाउलो में बड़े होने के दौरान पेले ने गरीबी के दिन भी देखे। हालांकि उनके पिता ने वह सब कुछ सिखाया जो एक फुटबॉलर को सीखना चाहिए। पेले फुटबॉल नहीं खरीद सकते थे इसलिए वे कई बाार कागज से भरे मोजे से खेलते थे। यही नहीं पेले ने स्थानीय चाय की दुकानों में वेटर के रूप में भी काम कियाा था। पेले ने अपनी युवावस्था में इनडोर लीग में खेला और अंतत: 15 साल की उम्र में वह सैंटोस एफसी द्वारा साइन कर लिए गए। इसके बाद पेले ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंतिम संस्कार उनके गृहनगर सांतोस में

पेले के क्लब सांतोस ने एक बयान में कहा कि लोग विला बेलमिरो स्टेडियम पर उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे। एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो यानी पेले का बृहस्पतिवार को लंबे समय तक कैंसर से जूझने के बाद निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। सांतोस ने कहा कि तीन बार के विश्व कप चैम्पियन पेले की पार्थिव देह के साथ ताबूत सोमवार को सुबह अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल से निकलेगा और मैदान के बीचोंबीच उसे रखा जायेगा। लोगों के लिये दर्शन सुबह दस बजे से खुलेंगे और अगले दिन सुबह दस बजे तक जारी रहेंगे। सांतोस की सड़कों से पेले का जनाजा निकलेगा और उनकी सौ वर्ष की मां सेलेस्टे के घर के सामने से गुजरेगा। ब्राजीली मीडिया रपटों के अनुसार पेले की मां बिस्तर से उठ नहीं सकती हैं। उन्हें सांतोस के कब्रिस्तान मेमोरियल नेक्रोपोल एक्यूमेनिका में दफनाया जायेगा। पेले का घर सांतोस में है जहां उन्होंने जीवन का अधिकांश समय गुजारा। उम्र के आखिरी पड़ाव पर वह गुआरूजा में बस गए थे।

दुनिया को फुटबॉल से मोहब्बत करना सिखाया

फुटबॉल खेलना अगर कला है तो उनसे बड़ा कलाकार दुनिया में शायद कोई दूसरा नहीं हुआ। तीन विश्व कप खिताब, 784 मान्य गोल और दुनिया भर के फुटबॉलप्रेमियों के लिये प्रेरणा का स्त्रोत बने पेले उपलब्धियों की एक महान गाथा छोड़कर विदा हुए। यूं तो उन्होंने 1200 से अधिक गोल दागे थे लेकिन फीफा ने 784 को ही मान्यता दी है।

खेल जगत के पहले वैश्विक सुपरस्टार में से एक पेले की लोकप्रियता भौगोलिक सीमाओं में नहीं बंधी थी। एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो यानी पेले का जन्म 1940 में हुआ। वह फुटबॉल की लोकप्रियता को चरम पर ले जाकर उसका बड़ा बाजार तैयार करने वाले पुरोधाओं में से रहे।

उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि 1977 में जब वह कोलकाता आये तो मानों पूरा शहर थम गया था। वह 2015 और 2018 में भी भारत आये थे। सत्रह बरस के पेले ने हालांकि 1958 में अपने पहले ही विश्व कप में ब्राजील की छवि बदलकर रख दी। स्वीडन में खेले गए टूर्नामेंट में उन्होंने चार मैचों में छह गोल किये जिनमें से दो फाइनल में किये थे। ब्राजील को उन्होंने मेजबान पर 5 . 2 से जीत दिलाई और कामयाबी के लंबे चलने वाले सिलसिले का सूत्रपात किया। फीफा द्वारा महानतम खिलाड़ियों में शुमार किये गए पेले राजनेताओं के भी पसंदीदा रहे।

ब्राजील ने वह विश्व कप जीता जो पेले का तीसरा विश्व कप भी था। ब्राजील की पेचीदा सियासत के सरमाये में मध्यम वर्ग से निकला एक अश्वेत खिलाड़ी विश्व फुटबॉल परिदृश्य पर छा गया। उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि 1960 के दशक में नाइजीरिया के गृहयुद्ध के दौरान 48 घंटे के लिये विरोधी गुटों के बीच युद्धविराम हो गया ताकि वे लागोस में पेले का एक मैच देख सकें। वह कोस्मोस के एशिया दौरे पर 1977 में मोहन बागान के बुलावे पर कोलकाता भी आये। उन्होंने ईडन गार्डंस पर करीब आधा घंटा फुटबॉल खेला जिसे देखने के लिये 80000 दर्शक मौजूद थे। उस मैच के बाद मोहन बागान की मानो किस्मत बदल गई और टीम जीत की राह पर लौट आई। उसके बाद वह 2018 में आखिरी बार कोलकाता आये और उनके लिये दीवानगी का आलम वही था।

भवानी भाई संगठन के स्तंभ व गरीबों के मसीहा के रूप में पूजनीय रहेंगे : यशपाल

-पांचवी पुण्यतिथि पर शहर जिला कांग्रेस ने गांधी पार्क में दी श्रद्धांजलि

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के पूर्व महापौर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भवानी शंकर शर्मा की पांचवी पुण्यतिथि पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय गांधी पार्क में जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि, शब्दांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भवानी भाई के तेल चित्र पर पुष्पहार और पुष्पांजलि अर्पित करते हुए यशपाल गहलोत ने कहा कि भवानी भाई संगठन के आधार स्तंभ रहे। उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने मजबूती पाई। किसी भी पद पर रहे भवानी भाई ने कभी संगठन से हटकार कोई कार्य नहीं किया। नगर विकास न्यास अध्यक्ष, खादी बोर्ड अध्यक्ष और महापौर के कार्यकाल में उन्होंने हर व्यक्ति की मदद करने उसके कार्य को करने में प्राथमिकता दी।

यही कारण रहा कि भवानी भाई को गरीबों का मसीहा भी कहा जाता रहा। आज भी उनके कार्यों को बीकानेर ही नहीं संपूर्ण राजस्थान याद करता है। हमारा प्रयास रहेगा की भवानी भाई की तरह पार्टी के प्रति निष्ठा और विश्वास के साथ कार्य करते रहें।

बीकानेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल गहलोत सहित कांग्रेसजनों ने गांधी पार्क में पूर्व महापौर भवानीशंकर शर्मा को पांचवी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

ब्लॉक अध्यक्ष आनंद सिंह सोढा एवं सुमित कोचर ने कहा कि भवानी भाई हमेशा याद किए जाते रहेंगे। क्योंकि इंसान आता है अपने लिए लेकिन वो महान हो जाता है जो कार्य दूसरों के लिए करता है।

यही खूबी भवानी भाई को सबसे अलग करती थी। प्रवक्ता नितिन वत्सस ने भवानी भाई की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा की जिस तरह भवानी भाई ने ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर प्रदेश महासचिव प्रभारी तक संगठन को एक सूत्र में बांधे रखा, वो हर किसी के बूते की बात नहीं है।

अपनी मधुर मीठी मुस्कान के साथ वे हर समस्या का निदान अपने अनुभव के आधार पर चुटकियों में हल कर देते थे।

- बीकानेर के पूर्व महापौर एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भवानी शंकर शर्मा को पुण्यतिथि पर याद किया

आभार ज्ञापित करते हुए राहुल जादूसंगत ने कहा कि भवानी भाई एकमात्र ऐसे व्यक्ति रहे जिन्होंने अपने कार्यकाल में निगम द्वारा बीकानेर के महापुरुषों और स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को चिरस्थाई बनाए रखने का कार्य किया।

इसलिए वे सदैव अमर रहेंगे। श्रृद्धांजलि सभा को वरिष्ठ कांग्रेसी प्रेमरतन जोशी, विजय आचार्य, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव उमा सुथार, आशा देवी स्वामी, सुषमा बारूपाल, शहर जिला सचिव मनोज चौधरी,जयदीप सिंह जावा, विकास तंवर, पूर्व पार्षद गजानंद शर्मा, जितेंद्र शर्मा, डॉक्टर मिर्जा हैदर बेग सहित कांग्रेस जन मौजूद थे।

नंदीशाला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

सूरतगढ़, (कासं)। सूरतगढ़ नगर पालिका की ओर से शहर से सटे किशनपुरा आबादी में संचालित श्री शिव नंदीशाला का शुक्रवार को पालिका अध्यक्ष मास्टर ओमप्रकाश कालवा ने नंदीशाला पदाधिकारियों के साथ अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पालिका अध्यक्ष कालवा ने नई कार्यकारिणी के कार्यभार संभालने के बाद किये गए विकास कार्यों का अवलोकन कर उनकी सराहना की। वहीं पालिका की ओर से उपलब्ध करवाई गई इंटरलॉकिंग टाइल्स से चारागाह स्थल पर बनाये गए। फर्श की प्रशंसा करते हुए पालिकाध्यक्ष ने कहा कि पक्का फर्श बन जाने से कीचड़ आदि की परेशानी से निजात मिल सकेगी। इससे जहां सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। वहीं नंदीशाला का सौन्दर्यकरण भी बढ़ेगा।

इसके अलावा तूड़ी की उपलब्धता और प्रतिदिन बनने वाले दलिए की सवामणी के बारे में पालिकाध्यक्ष ने नंदीशाला अध्यक्ष अनिल धानुका से जानकारी ली। नंदीशाला पदाधिकारियों ने नंदीशाला के मुख्य प्रवेश द्वार को आकर्षक रूप में बनाने का खाका तैयार किया। सर्दी से बचाव के लिए बछड़ों का भी फीडबैक लिया।

सार-समाचार

वैदिक संस्कार एवं योग शिविर

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान प्रांतीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासभा और शिव-शक्ति परिवार के संयुक्त तत्वावधान में बालक व बालिकाओं के लिये आयोजित पांच दिवसीय वैदिक संस्कार एवं योग शिविर में बीकानेर शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के बच्चों के लिये पांच दिवसीय वैदिक संस्कार एवं योग शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर संयोजक आर. के. शर्मा ने बताया कि शिविर समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध व्यवसायी ऋषि कुमार शर्मा थे। अध्यक्षता महासभा अध्यक्ष सत्यदीप शर्मा ने की। इस अवसर पर योगाचार्य सुभाष चन्द्र शर्मा के निदेशन में प्रार्थना, यौगिक सूक्ष्म व्यायाम, योगासन, प्राणायाम, ध्यान का प्रदर्शन करते हुए संकल्प व शांति पाठ कराया। उपस्थितों ने सूर्य नमस्कार के प्रदर्शन को काफी सराहा। आध्यात्म गुरू पं. रविप्रकाश ने बच्चों को विभिन्न मंत्रोच्चार करवाया। कार्यक्रम में जितेन्द्र कुमार अबोटी, पूर्व मरूश्री सत्येन्द्र शर्मा, महिला संयोजिका विजया शर्मा ने भी संबोधित किया। मुख्य अतिथि ऋषि कुमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से होने से बच्चों में संस्कार बढ़ेंगे तथा वर्तमान मोबाइल संस्कृति से दूर रहेंगे। शिविर में पांच बालिकाओं सहित 30 शिविरार्थियों ने भाग लिया। प्रतिदिन प्रात: 6 बजे जागरण, 7 बजे योगासन, 9 बजे अल्पाहार, 10 बजे हवन पूजन व मंत्रोच्चार, 12 बजे दोपहर का भोजन, 1 बजे विश्राम व डायरी लेखन, 2 बजे बौद्धिक सत्र में गीता पाठ व अन्य आध्यात्मक शिक्षा, 3.30 बजे विभिन्न प्रतिभाओं से साक्षात्कार, 4.30 बजे खेल सत्र, 6 बजे सांयकालीन योगाभ्यास, 7 बजे वैदिक संस्कारों की संक्षिप्त जानकारी, 7.30 बजे रात्रि भोजन, 8.30 बजे कैम्प फायर में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां व 9 बजे डायरी लेखन व सम्पन्न गतिविधियों की चर्चा व रात्रि 9.30 बजे रात्रि विश्राम का कार्यक्रम रहा।

जेल कर्मियों का विरोध-प्रदर्शन

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के श्रीकरणपुर की सबजेल में कर्मचारियों ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें हमेशा आश्वासन ही मिला। उनकी मांगों पर कोई कार्रवाई कभी प्रशासन ने नहीं की है। ऐसे में हमारी मांगों की तरफ ध्यान दिलाने के लिए रोष प्रदर्शन का यह तरीका निकाला है। कर्मचारियों ने बताया कि वर्ष 2017 में राज्य सरकार और विभाग के अधिकारियों के बीच जेल स्टाफ की वेतन संबंधी समस्याओं को लेकर समझौता हुआ था लेकिन वेतन विसंगतियां आज भी बरकरार है। इन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। इस संबंध में सीएम, जेल मिनिस्टर और डीजी जेल को ज्ञापन दिए गए लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। जेल मिनिस्टर के जेल के निरीक्षण करने और अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान केवल आश्वासन ही दिए गए। ऐसे में एक दिन के लिए सांकेतिक विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया गया। कर्मचारियों ने महानिदेशक के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो पंद्रह दिन बाद कर्मचारी मैस का बहिष्कार करेंगे।

हेल्पलाइन 14567 बनेगी मददगार

श्रीगंगानगर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राजस्थान में जे.के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा समर्थ एल्डर केयर गुरूग्राम के सहयोग से वृद्धजनों के लिए हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 14567 का संचालन किया जा रहा है। यह एक नि:शुल्क सेवा है, जिसमें वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए सूचना, मार्गदर्शन, भावानात्मक सहयोग जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही है। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (सतर्कता) उम्मेद सिंह रत्नू ने बताया कि बेसहारा वृद्धजनों का रेस्क्यू कर उनको समुचित सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमे मेडिकल पेंशन, कानूनी सहायता, आपदाओं में सहायता तथा सामाजिक सुरक्षा योजना से जोडकर लाभान्वित करना है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों हेतु संचालित राष्ट्रीय हेल्पलाइन नम्बर 14567 की अधिकाधिक जानकारी दी जाकर वरिष्ठ नागरिकों को अधिकतम सुविधा दिलाई जाकर उन्हे लाभान्वित किया जा सके।

मांगों को लेकर वित्त सचिव से मिले

हनुमानगढ़, (कासं)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी महासंघ का एक प्रतिनिधिमंडल मंत्रालयिक कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर प्रदेशाध्यक्ष राज सिंह चौधरी के नेतृत्व में राज्य के प्रमुख वित्त सचिव अखिल अरोड़ा व कार्मिक सचिव हेमंत गेरा से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों अधिकारियों से मंत्रालय कर्मचारियों को सचिवालय के मंत्रालयिक कर्मचारियों के समान वेतन भत्ते देने, सहायक प्रशासनिक अधिकारियों की ग्रेड पे 4200 करने तथा 14 दिसम्बर 2021 को हुए समझौते को लागू करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। संघ के जिला महामंत्री रामकुमार घलोटिया ने बताया कि इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष ने अधिकारियों को इस असमानता को दूर करने के लिए 8,16, 24 और 32 वर्ष पर पदोन्नति पद का वेतनमान दिए जाने की व्यवस्था करने का सुझाव देते हुए शीघ्र ही मंत्रालय कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण नहीं करने पर प्रदेश स्तर पर आंदोलन प्रारंभ करने की चेतावनी भी दी।

आप का सदस्यता अभियान

हनुमानगढ़, (कासं)। आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं ने विधानसभा कोऑर्डिनेटर दुनीराम लूना के नेतृत्व में हांसलिया में सदस्यता अभियान चलाया और नुक्कड़ सभाएं कर ग्रामीणों से संवाद किया। ग्राम पंचायत में संगठन को मजबूत बनाने के लिए रिछपाल सिंह, गणेश पंवार, भगवानाराम, रामचन्द्र को जिम्मेदारी दी।

धरने पर बैठे किसान हर दिन बदल रहे हैं अपना बयान : सहू

हनुमानगढ़, (कासं)। ग्राम पंचायत के चक 45 एनजीसी के कुछ किसान कलेक्ट्रेट के सामने बेमियादी धरने पर बैठे हैं। किसानों ने पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप और उनके परिवार पर उनकी जमीनों पर कब्जा करने की नीयत से खेती करने से वंचित करने का आरोप लगाया है।

किसानों के धरने के चौथे दिन पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप के बेटे अमित सहू सामने आये और उन्होंने अपने परिवार पर लग रहे आरोपों पर जवाब दिया और किसानों पर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाया। सहू ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों से जुड़े लोगों पर केवल राजनीतिक रोटियां सेंकने का आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया कर्मियों को मौका भी दिखाया, जहां मौजूद सतीपुरा गांव के ही कुछ ग्रामीणों ने धरना दे रहे किसानों की मांग और आंदोलन को गलत ठहराया।

अमित सहू ने कहा कि कलेक्ट्रेट के सामने धरने पर बैठे सतीपुरा के ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप व उनका परिवार उनकी जमीनों पर कब्जा करना चाहता है और

- पूर्व मंत्री डॉ. रामप्रताप और उनके परिवार पर किसानों की जमीन पर कब्जा करने की नीयत से खेती करने से वंचित करने का आरोप

उनको खेती नहीं करने दे रहा है, लेकिन मौका स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि धरना दे रहे किसानों की क्या मंशा है।

सहू ने कहा कि इन किसानों ने करीब सालभर पहले जब उनके गोदाम के पास मिट्टी की खुदाई की तो उन्होंने पड़ौसी होने के नाते किसानों को रोका। लेकिन किसानों ने बात नहीं मानी। इस पर उन्होंने उनके गोदाम की बिल्डिंग को खतरा बताते हुए मिट्टी के खनन को रोकने के लिए तहसीलदार से शिकायत की थी। पटवारी ने मौके पर आकर रिपोर्ट दी कि अवैध खनन हो रहा है और इसके लिए स्वीकृति नहीं ली गई।

रिपोर्ट के आधार पर तहसीलदार ने धारा 177 की कार्रवाई यानी जमीन रकबा राज करने के लिए के लिए उपखंड अधिकारी को लिखा। सहू ने बताया कि उन्होंने एसडीएम से बात कर किसी गरीब किसान की जमीन को रकबा राज करवाने के लिए मना कर दिया था। अमित सहू ने किसानों पर बेवजह परेशान करने का आरोप लगाते हुए कहा कि धरने पर बैठे किसान कहते हैं कि पूर्व मंत्री और उनका परिवार उनकी जमीनों पर कब्जा करना चाहता है। कभी कहते हैं कि जमीन में से रास्ता नहीं दिया जा रहा है।

सहू ने कहा कि धरने पर बैठे किसान हर दिन अपना बयान बदल रहे हैं। जबकि पूर्व मंत्री या उनके परिवार के खेत या जमीन के अंदर से कोई रास्ता स्वीकृत नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव का समय नजदीक है। इसलिए राजनीतिक फायदा लेने के मकसद से उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है।

बालाजी धाम पर सत्संग

सूरतगढ़, (कासं)। बालाजी श्री किशन पितर धाम पर भव्य सत्संग का आयोजन किया गया।

भक्त शिरोमणि प्रेमा बाई के सानिध्य में सालासर बालाजी धाम के पुजारी देवकीनंदन, ममता चौहान ने मुख्य यजमान श्रीगंगानगर निवासी पवन गुप्ता, अर्जुनसर निवासी रामचंद्र स्वामी, पूनमचंद स्वामी, कोलकाता निवासी पवन बाहेती के साथ विधिवत पूजा अर्चना की। आरती के बाद भोग लगाते हुए प्रसाद का वितरण किया। पंडित मनीष देरासरी और प्रकाश तावनिया ने मंत्रोच्चारण के साथ पूजन करवाया।

सत्संग कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायिका नीरू राणा, रजनी मोदी, नरपत सिंह परिहार, बीकानेर के ओम राठी, शंकरलाल समेत अन्य भजन गायकों ने श्री किशन पितर महाराज की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विशाल छाबड़ा ने किया। इस अवसर पर श्रद्धालु चंद्रपाल द्वारा किशन पितर धाम पर 5 लाख रुपए की लागत से कमरा निर्माण करवाने पर उनका सम्मान किया गया। आयोजन में पार्षद संतोष गिरी, आशीष स्वामी, इन्द्राज नोखवाल, एडवोकेट सुरेंद्र सांखला मौजूद थे।

आई.जी.एन.पी. में बन रहे रिजर्व वायरों का विरोध

अनूपगढ़, (कासं)। नई धान मंडी में अखिल भारतीय किसान सभा की बैठक में इंदिरा गांधी नहर परियोजना में बन रहे रिजर्व वायरों पर चर्चा की गई। इनका विरोध करने का निर्णय लेते हुए 4 जनवरी से ग्राम पंचायत नाहरांवाली से जन जागृति रथ यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष युद्धवीर सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया है कि सयुंक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर 26 जनवरी को अनूपगढ़ क्षेत्र में किसानों की ओर से ट्रैक्टर रैली का आयोजन किया जायेगा। किसान नेता श्योपत मेघवाल ने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार मिलकर इंदिरा गांधी नहर परियोजना पर रिजर्व वायर बना रही है। जिससे प्रथम चरण में खेती संभव नहीं हो पायेगी।

प्रथम चरण में खेती नहीं होने के कारण क्षेत्र का किसान बर्बाद होने की कगार पर पहुंच जायेगा। उन्होंने बताया कि दोनों सरकारों को पानी को रिजर्व वायर में जाने के निर्णय को रोकना होगा अन्यथा किसान बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

किसान नेता सुनील गोदारा ने

- किसानों ने 4 जनवरी से ग्राम पंचायत नाहरांवाली से जन जागृति रथ यात्रा निकालने का निर्णय लिया

बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के आव्हान पर अनूपगढ़ विधानसभा क्षेत्र के किसान 26 जनवरी को ट्रैक्टर परेड का आयोजन किया जायेगा।

ट्रैक्टर परेड के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी कानून बनाने, लखीमपुर खीरी में केन्द्रीय मंत्री टैनी के बेटे ने दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के दौरान अपनी गाड़ी से कुचल कर किसान नेताओं व किसानों की हत्या कर दी थी। उसको हटाने व कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जायेगा। उन्होंने बताया कि इस ट्रैक्टर परेड में सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर अनूपगढ़ की नई धान मंडी में पहुंचेंगे।

लापरवाही पर वीडीओ को 17 सीसी का नोटिस

सूरतगढ़, (कासं)। अधूरे विकास कार्य और रिकॉर्ड मेंटेन में लापरवाही बरतने पर बीडीओ ने ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसी का नोटिस थमाया और ट्रांसफर भी किया।

उपखंड की ग्राम पंचायत सरदारपुरा खर्ता का पंचायत समिति के विकास अधिकारी हरीकृष्ण सिहाग ने बुधवार को औचक निरीक्षण किया था। जहां विकास कार्य अधूरे होने और रिकॉर्ड भी मेंटेन न करने पर नाराजगी जताते हुए कार्मिकों को फटकार लगाई थी। इसे लेकर बीडीओ हरिकृष्ण सिहाग ने ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसी की चार्जशीट थमाई है।

विकास अधिकारी सिहाग ने बताया कि पंचायत समिति में स्वच्छ भारत अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम विकास योजना, मनरेगा में 100 दिवस में रोजगार देने सहित प्रधानमंत्री आवासीय योजना की सरदारपुरा खर्ता ग्राम पंचायत में सहायक लेखा अधिकारी द्वितीय अनिल कुमार जाखड़ के साथ समीक्षा की गई। जहां विभिन्न विकास कार्य प्रस्तावित समय में पूरे नहीं किए गए। साथ ही रिकॉर्ड भी अधूरा पाया गया।

पंचायत का निरीक्षण करने पर योजनाओं के कार्य अधूरे पड़े थे। इस पर ग्राम विकास अधिकारी जयपाल बेनीवाल को 17 सीसी में नोटिस दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले भी ग्राम विकास अधिकारी को अधूरे कार्य और रिकॉर्ड मेंटेन नहीं करने पर नोटिस दिया गया था। बीडीओ सिहाग ने बताया कि लगातार लापरवाही के चलते ग्राम विकास अधिकारी जयपाल बेनीवाल का रायसिंहनगर ट्रांसफर का दिया गया है।

योजनाओं की जानकारी दी

हनुमानगढ़, (कासं)। ग्राम पंचायत सिलवाला खुर्द में विशेष ग्राम सभा का आयोजन सरपंच विनोद कुमार की अध्यक्षता में किया गया।

राज्य सरकार के चार साल पूर्ण होने पर फ्लैगशिप योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए प्रभारी अधिकारी सुभाषचन्द्र ने बताया कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा, कृषि विभाग की योजना, मुख्यमंत्री कृष्क साथी योजना, कृषि यंत्र अनुदान योजना, डिग्गी कार्य पौंड, पाइपलाइन, फव्वारा योजना सहित अनेक योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषि पर्यवेक्षक नानूराम ने कृषि में फसल चक्र अपनाने व फसल अवशेष का प्रबंधन अपने खेत की मिट्टी में दबाकर मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने की जानकारी दी। इस मौके पर सरपंच विनोद कुमार, उप सरपंच गुरसेवक सिंह बराड़, वीडीओ गोपाल, पटवारी मंजू पूनिया मौजूद थे।

40 दिन बाद भी सरकारी खरीद केन्द्र पर मूंगफली की आवक शून्य

सूरतगढ़, (कासं)। नई अनाज मंडी के सरकारी खरीद केन्द्र पर 42 दिन बाद भी मूंगफली की आवक अब तक शून्य चल रही है और आगे भी मूंगफली आने की संभावना शून्य ही रहेगी। इसका कारण है एक तो क्षेत्र में मूंगफली की पैदावार कम होना, दूसरा समर्थन मूल्य पर भाव भी कम रहना। लिहाजा सूरतगढ़ क्षेत्र के किसानों का रूझान बीकानेर की मंडियों की तरफ ज्यादा है।

क्रय विक्रय सहकारी समिति अधिकारियों के मुताबिक मूंगफली की सरकारी खरीद शुरू हुए 40 दिन से अधिक का समय बीत गया है, लेकिन अभी तक एक भी किसान मूंगफली केन्द्र पर इसके बेचान के लिए नहीं पहुंचा। उन्होंने बताया कि 18 नवम्बर से शुरू हुई खरीद की प्रक्रिया के बाद से ही मूंगफली के लिए निर्धारित किया गया। अनाज मंडी का चार नंबर शैड लगातार खाली चल रहा है, तो संस्था के गोदाम में मूंगफली भराव के लिए आये बैग भी खाली पड़े हैं।

- सूरतगढ़ क्षेत्र के किसानों का रूझान बीकानेर की मंडियों की तरफ ज्यादा है, क्योंकि वहां भाव समर्थन मूल्य ज्यादा मिल रहा है

अधिकारियों के मुताबिक समर्थन मूल्य पर मूंगफली का भाव 5850 रुपए तय है। जबकि लूणकरनसर क्षेत्र में यह 6300 रुपए से लेकर 6400 के बीच में बेची जा रही है। दूसरा सूरतगढ़ क्षेत्र में मूंगफली की पैदावार भी कम है। इस वजह से अभी तक न तो किसी किसान ने रजिस्ट्रेशन करवाया है, ना ही मूंगफली की आवक हो पाई है।

दूसरी ओर मूंगफली उत्पादक किसान मनीराम, हंसराज, विकास कुमार, प्रदीप कुमार आदि ने बताया कि सूरतगढ़ क्षेत्र में मूंगफली की ना तो फैक्ट्री है और ना ही बाजार भाव उचित है। इसलिए वे इसे बीकानेर के लूणकरणसर और अर्जुनसर की मंडियों में ले जाकर बेच रहे हैं।

खाजूवाला सीएचसी को मिलेगी दो नई एम्बुलेंस, जिससे राहत मिलेगी : पंवार

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को दो नई ममता एक्सप्रेस एम्बुलेंस मिलेगी। वहीं यहां लम्बे समय से खराब पड़ी एम्बुलेंस 104 भी अगले हफ्ते तक दुरुस्त होकर पहुंच जायेगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मोहम्मद अबरार पवार ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खाजूवाला सीएचसी के लम्बे क्षेत्र को देखते हुए शीघ्र ही यहां दो ममता एक्सप्रेस आवंटित की जायेगी। स्थानीय लोगों की मांग के अनुसार लम्बे समय से खराब पड़ी 104 एम्बुलेंस को ठीक करवा दिया गया है, जो कि अगले हफ्ते तक यहां पहुंच जायेगी।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में यहां एम्बुलेंस 108 कार्यरत है। इस प्रकार यहां चार एम्बुलेंस उपलब्ध कार्यरत हो जायेगी, जिससे मरीजों और प्रसूताओं को राहत मिलेगी। इस दौरान उन्होंने यहां के महिला वार्ड का निरीक्षण किया

सीएमएचओ डॉ. अबरार पंवार (दाएं) ने खाजूवाला के स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया।

तथा यहां भर्ती महिला मरीजों से व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। डॉ. अबरार ने यहां ओपीडी और आईपीडी की जानकारी ली। निशुल्क दवा और जांच व्यवस्था के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थागत प्रसव के बारे में जाना। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर अमरचंद बुनकर ने बताया कि अस्पताल की दैनिक औसत ओपीडी

- सीएमएचओ पंवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी
- खराब पड़ी एम्बुलेंस 104 भी दुरुस्त हो जायेगी

600 और आईपीडी 70 है। वहीं प्रतिमाह औसत 80 संस्थागत प्रसव होते हैं। सीएमएचओ ने अस्पताल की सफाई व्यवस्था, बायो वेस्ट निस्तारण, पार्किंग, पेयजल सहित अन्य आधारभूत व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने पीसीपीएनडीटी के प्रावधानों से जुड़े होर्डिंग्स लगवाने के निर्देश दिए और मुखबिर योजना का प्रचार प्रसार किया जाए। ब्लॉक सीएमएचओ डॉ. मुकेश मीणा इस दौरान मौजूद थे।

जन आक्रोश सभा को लेकर यात्रा प्रभारी ने ली बैठक

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी शहर जिला बीकानेर द्वारा आयोजित होने वाली जन आक्रोश सभा की तैयारियों को लेकर जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता और बीकानेर पूर्व विधानसभा जन आक्रोश यात्रा प्रभारी डॉ. बृजमोहन सहारण के मुख्य आतिथ्य में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए बीकानेर पूर्व विधानसभा जन आक्रोश यात्रा प्रभारी डॉ. बृजमोहन सहारण ने कहा कि राजस्थान में वर्तमान कांग्रेस सरकार ने चार वर्षों में प्रदेश के विकास को ठप कर रसातल में पहुंचा दिया है। मुख्यमंत्री बनने के खेल में राजस्थान की जनता पिस रही है। डॉ. सहारण ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रदेश स्तर पर आयोजित हुई जन आक्रोश यात्राओं को जनता के भरपूर सहयोग के साथ सकारात्मक परिणाम मिला है। प्रदेश की जनता ने बदलाव का मानस बना लिया है और आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेगी।

भाजपा की जन आक्रोश सभा को लेकर यात्रा प्रभारी डॉ. ब्रजमोहन सहारण ने बैठक को संबोधित किया।

सहारण ने बीकानेर में जन आक्रोश सभा को लेकर विभिन्न तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभा को सफल बनाने के लिए घर घर व्यापक जनसंपर्क का आग्रह किया। अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीकानेर पूर्व और पश्चिम विधानसभा की दस दिवसीय जन आक्रोश यात्रा की सफलता के बाद आमजन के सहयोग से सभा को भी सफल बनाया जाएगा। इस अवसर पर बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में जन आक्रोश यात्रा की समीक्षा करते हुए यात्रा के दौरान सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया। बैठक में जिला महामंत्री अनिल शुक्ला, जन आक्रोश जिला यात्रा संयोजक डॉ. भगवान सिंह मेड़तिया, पूर्व विधानसभा यात्रा प्रभारी डॉ. सिद्धार्थ असवाल, सुरेश भसीन, सुधीर केवलिया, मण्डल अध्यक्ष नरसिंह सेवग, जेठमल नाहटा, मुकेश ओझा, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्यामसुंदर चौधरी, मंडल महामन्त्री मघाराम नाई, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे थे।

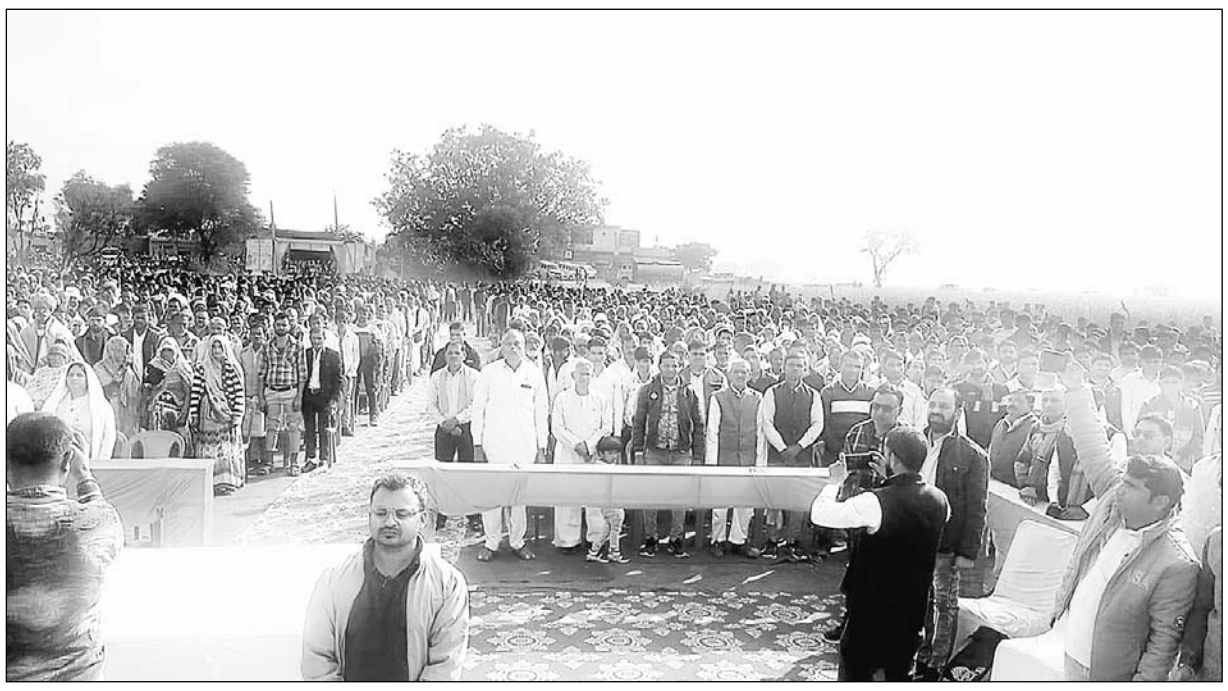

धौलपुर में राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में हुई भाजपा की जनाक्रोश सभा में लोगों की भारी भीड़ देखी गई। सभा को राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के उपनेता राजेन्द्र राठौड़, पूर्व मंत्री मदन दिलावर तथा भाजपा सांसद मनोज राजौरिया ने संबोधित किया।

'विवाद सुलझाने के लिए आया हूँ फाइव स्टार में बैठने के लिए नहीं'

राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पायलट-गहलोत विवाद पर अपनी ओर से स्थिति स्पष्ट की

- **रंधावा से मिलकर रघु शर्मा ने कहा- ''कार्यकर्ता आलाकमान और संगठन के प्रति निष्ठा रखें, व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती।''**
- **रंधावा ने संगठन के बारे में कहा कि, उनका पहला टारगेट जिला, ब्लॉक व कार्यकारिणी में नियुक्तियाँ करना है, जो वो अगले दो दिन में पूरा कर लेंगे।**

जयपुर, 30 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा 3 दिन से जयपुर में हैं। इस दौरान उन्होंने जयपुर में कांग्रेस के सभी विधायकों, विधायक प्रत्याशी, सांसद प्रत्याशी तथा सहित मंत्री परिषद से चर्चा की। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट और स्पीकर डॉ. सी.पी. जोशी से उनके निवास पर जाकर चर्चा की है। इसी के साथ उन्होंने अग्रिम संगठन के नेताओं से भी मिलकर फीडबैक लिया है। इस कवायद के बाद में उम्मीद जगी है कि पार्टी में सत्ता और संगठन में जो नियुक्तियां बाकी हैं, उन पर जल्द ही निर्णय हो जाएगा। वहीं जिन बातों को लेकर नाराजगी है,उन्हें भी दूर किया जाएगा।3 दिन तक की इस फीडबैक कवायद के दौरान सबसे बड़ी बात यही उभरकर आई है कि अधिकांश नेता और कार्यकर्ता यही चाहते हैं कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच की जो तनातनी है, उसे समाप्त किया जाना जरूरी है। सभी नेताओं से फीडबैक लेने के बाद रंधावा ने मीडिया से बात की और पायलट-गहलोत विवाद पर कहा कि राजस्थान में नेताओं के बीच चल रहा विवाद सुलझाना उनका काम है। वो यहां फाइव स्टार में बैठने के लिए नहीं आए हैं। उनका काम लोगों के बीच बैठना व उनकी समस्याओं का निराकरण करना है, ताकि आगे किसी भी प्रकार की समस्या शेष न रह जाए।

उन्होंने आगे कहा कि अभी उनका पहला टारगेट राजस्थान में जिला, ब्लॉक व प्रदेश कांग्रेस कार्यकारिणी में नियुक्तियां करना है। इस काम को वो अगले एक-दो दिन में पूरा कर लेंगे। रंधावा ने कहा कि अभी वो विधानसभा का टिकट देने नहीं आए हैं। फिलहाल वो संगठन का काम करने आए हैं और वैसे भी विधानसभा चुनाव में टिकट सर्वे के आधार पर दिए जाएंगे। सर्किट हाउस में कई नेताओं - कार्यकर्ताओ से मुलाकात के बाद रंधावा ने पत्रकारों से कहा कि वे पिछले दो दिन से लगातार कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बैठकर फीडबैक ले रहे हैं। ऐसे में एक-दो दिन में जिला, ब्लॉक व राज्य स्तरीय संगठन में शेष बची नियुक्तियों को वो पूरा कर देंगे।

इस बीच रंधावा से मिलने के बाद पूर्व मंत्री रघु शर्मा ने कहा कि राजनीतिक पार्टी में कार्यकर्ता को आलाकमान और संगठन के प्रति निष्ठा रखनी चाहिए, क्योंकि व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती। उन्होंने राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन के सवाल पर कहा कि ऐसी बातें कैमरे पर नहीं होती हैं, लेकिन वन टू वन चर्चा में हर तरीके की बात होती है। शर्मा ने कहा कि वो 40 साल से कांग्रेस कार्यकर्ता हैं। आलाकमान के प्रति हमेशा लॉयल रहे हैं और जो आलाकमान कहता है वो उसे मानते हैं।

उन्होंने कहा कि उनका स्टैंड क्लियर है। उनका नेता एक है और जो पार्टी आलाकमान फैसला करती है वो उसी के साथ खड़े रहेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि वो पार्टी के वफादार हैं और 25 सितंबर को मुख्य सचेतक की ओर से बुलाई गई विधायकों की बैठक में भी शामिल होने के लिए सीएम आवास गए थे। जहां वो रात दो बजे तक ठहरे भी थे। विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होने वाले नेताओं को लेकर उन्होंने कहा कि वो किसी के लिए टिप्पणी नहीं करेंगे,लेकिन हाईकमान सब देख रहा है। हर आदमी से यही उम्मीद है कि वो आलाकमान के प्रति वफादारी दिखाएं। संगठन के प्रति निष्ठा रखें, क्योंकि व्यक्तिगत निष्ठा से पार्टी नहीं चलती है। शर्मा ने कहा कि रंधावा सुलझे हुए व अनुभवी इंसान हैं। साथ ही पार्टी के कमिटेड नेता हैं, जिनसे प्रदेश की सियासत को लेकर उनकी बातचीत हुई है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि वो प्रदेश की उलझी सियासी परिस्थितियों को बहुत जल्द सुलझा लेंगे।

'पेपर लीक करने वालों पर योगी सरकार की तर्ज़ पर बुलडोज़र चलना चाहिए'

धौलपुर में हुई जनाक्रोश सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेन्द्र राठौड़ ने यह भी कहा कि, दलित अत्याचार में राजस्थान, भारत में दूसरे नम्बर पर है

- **सभा को संबोधित करते हुए भाजपा नेता मदन दिलावर ने गहलोत सरकार को अली बाबा और चालीस चोरों की सरकार बताया।**

धौलपुर, 30 दिसम्बर (निस)। राजाखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के गांव पहाड़ी मरैना पीतम गिरी बाबा पर आज शुक्रवार को भाजपा की जनाक्रोश सभा आयोजित की गई। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के उपनेता राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं पूर्व मंत्री मदन दिलावर, सांसद मनोज राजोरिया एवं भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवन कुमार वर्मा ने सभा को संबोधित किया।

राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि पेपर लीक करने वालों पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की तर्ज़ पर बुलडोजर चलना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार पर कई आरोप लगाए और कहा कि दलित अत्याचार में राजस्थान भारत में दूसरे नम्बर पर है, किसानों का अपमान हो रहा है, धौलपुर ज़िला परिवहन विभाग की अवैध वसूली निरंतर जारी है । धौलपुर की जनता के साथ किया गया अन्याय सूद सहित वसूला जाएगा। पूर्व मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में गोवंश की बहुत ही दुर्दशा है, एक विशेष वर्ग को बचाया जा रहा है, मंदिर तोड़ने में राजस्थान की गहलोत सरकार सबसे आगे है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है, सिर्फ रात्रि में ही सीमित समय के लिए बिजली मिल रही है, राजस्थान में अलीबाबा चालीस चोर की सरकार है। एक सर्वे के अनुसार राजस्थान में 70 फीसदी लोग रिश्वत देकर अपना काम करवा रहे हैं।

सांसद मनोज राजोरिया ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार द्वारा दी गई योजनाओं को यहां के विधायक अपना बताकर जनता को गुमराह कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं कि धौलपुर की चारों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के विधायक बैठेंगे और राज्य में भारी बहुमत से मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार आएगी।

वर्मा ने आगंतुकों को धन्यवाद भी दिया। इस अवसर पर जन आक्रोश यात्रा प्रभारी हेमेंद्र वशिष्ठ, सह संयोजक सोवरण सिंह गलेथा, जयवीर पोशवाल, नागवेंद्र सिंह, मरेना मंडल अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा, विशम्भर दयाल शर्मा, सतेंदर पाराशर, वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ.विष्णु शर्मा, रामवीर शर्मा,भूपेंद्र घुरईया, बॉबी परमार, पंडित मधुसूदन शर्मा, मुकेश हनुमानपुरा, हरिनिवास प्रधान, कुक्कू शर्मा, दुष्यंत शर्मा, शिवशंकर परिहार आदि उपस्थित रहे।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मैं पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं। परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं।

धनखड़ ने एक बयान में कहा कि वह सरलता की प्रतिमूर्ति और माँ की ममता का प्रतीक थी। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री की मां हीरा बा के निधन से गहरे दुख में हूं।

क्या ''होनहार पुत्र'' गुलाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में जम्मू कश्मीर के पूर्व उपमुख्यमंत्री ताराचन्द का नाम लिया जा सकता है जो कांग्रेस छोड़कर आज़ाद की पार्टी में शामिल हुये थे। ताराचन्द ने अब डैमोक्रेटिक आज़ाद पार्टी भी छोड़ दी है। कांग्रेस से आज़ाद के संबंध-विच्छेद का अन्त बहुत तिक्ततापूर्ण रहा था, क्योंकि इस वरिष्ठ नेता ने पार्टी नेतृत्व तथा खासतौर से राहुल गांधी को फटकार लगाई थी। सोनिया गांधी को लिखे गये कड़े-प्रहारों से भरे पाँच पृष्ठों के उस त्याग पत्र में, उन्होंने सोनिया गांधी को ''नाम मात्र का अध्यक्ष'' कहा था, जिनके नाम पर निर्णय लेने का काम राहुल गांधी या उनके पी.ए. तथा सिक्योरिटी गार्ड करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी को भी ''नॉन-सीरियस तथा अपरिपक्व व्यक्ति'' बताया था।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव, जो 2023 में हो सकते हैं, के अवसर पर, कांग्रेस नेतृत्व अतीत की इन तुच्छ बातों को भूलने तथा माफ कर देने के लिये तैयार हो सकता है, बशर्ते कि अपनी सोच में कुछ सुधार लायें। कांग्रेस के रणनीतिकार ऐसा मानते हैं कि ऐसी पूरी-पूरी संभावना दिखाई दे रही है कि जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों में आज़ाद की पार्टी की मौजूदगी से, विशेषकर जम्मू क्षेत्र में गैर-भाजपा वोट कटेंगे, जिसका सीधा नुकसान कांग्रेस को होगा। समझा जाता है कि अम्बिका सोनी ने आज़ाद को सलाह दी है कि वे भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हों तथा राहुल गांधी के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करें।

कोटपूतली में तोड़-फोड़ की कार्यवाही पुनः शुरु?

- **इस मामले में हाई कोर्ट में वर्ष 2022 में 40 से अधिक याचिकायें दायर की गई थीं, क्योंकि याचिकाकर्ताओं का कहना था कि, अगस्त माह में की गई तोड़-फोड़ की कार्यवाही से पहले उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया गया था और उनकी आपत्तियों की कोई सुनवाई नहीं की गई थी।**
- **बिना नोटिस दिये कार्यवाही करने के कारण हाई कोर्ट में सभी अवमानना याचिकायें लंबित हैं, जिसमें नगर परिषद् आयुक्त से जवाब तलब किया गया है।**
- **किंतु, कोटपूतली में एक अन्य सड़क पर तोड़-फोड़ की कार्यवाही शुरु किये जाने की सूचना से नगरवासी हैरान हैं और आक्रोश का माहौल है।**

कोटपूतली, 30 दिसम्बर। (निसं)। स्थानीय नगर परिषद् द्वारा कोटपूतली के मास्टर प्लान 2011-31 व रियासतकालीन (खेतड़ी ठिकाना) के नक्शे अनुसार सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने के लिए निरन्तर संरचनाओं को हटाने का कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि विगत अगस्त माह में परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से पुरानी नगर पालिका तिराहे तक सड़क की चौड़ाई 80 फीट व पूतली कट से बानसूर मोड खण्ड के सरदार स्कूल से शनि मंदिर तक की सड़क को 60 फीट चौड़ा करने की कार्यवाही शुरू की थी। जिसमें अब तक 95 फीसदी से अधिक निर्माण हटाये जा चुके हैं।

परन्तु नगर परिषद द्वारा नोटिस नहीं दिये जाने के संबंध में कई मामले हाईकोर्ट में लम्बित हैं। हाल ही में न्यायधीश एस. एन . श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनोद भारवानी की खण्ड पीठ ने कोटपूतली नगर परिषद् आयुक्त फतेह सिंह मीणा को नवम्बर में ही इस मामले में जबाव तलब किया था और पूछा था कि क्यों नगर परिषद् ने तोड़-फोड़ की कार्यवाही करने से पूर्व मकानों और दुकानों के मालिकों को पून: नोटिस भेजकर उनकी आपत्तियों पर सुनवाई क्यों नहीं की।

जैसा कि विदित है कि, हाईकोर्ट ने इस सम्बंध में सुनवाई करते हुए विगत 25 फरवरी 2022 को तत्काल कोटपूतली नगर पालिका को आदेश दिये थे कि, वह सभी याचिकाकर्ताओं को नोटिस भेजकर उनकी आपत्तियां सुने और उसके पश्चात ही कोई कार्यवाही करे। अदालत ने तत्कालीन नगर परिषद् को कहा था कि, सम्पत्ति मालिकों के दस्तावेज जांच कर कार्यवाही के बाबत स्पीकिंग ऑर्डर जारी करने के लिए कहा गया था। परन्तु, हाई कोर्ट में करीब 40 से अधिक याचिका दायर की गई जिसमें याचिकाकर्ताओं का कहना है कि, वर्तमान नगर परिषद् ने हाई कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं की और -अगस्त माह में फिर से तोड़-फोड़ की कार्यवाही की और किसी भी याचिकाकर्ता को सुनवाई के लिए नोटिस जारी नहीं किये थे। इन मामलों से जुड़ी अवमानना याचिका पर हाई कोर्ट में जनवरी के पहले सप्ताह में सुनवाई होने की संभावना जताई जा रही है। बहरहाल, परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा के मुताबिक जिन लोगों द्वारा निर्माण नहीं हटाये जायेंगे, उनके निर्माण नगर परिषद द्वारा हटाया जाकर जुर्माना वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

बिहार भाजपा के उपाध्यक्ष को पार्टी ने निष्कासित किया

भाजपा का आरोप है कि राजीब रंजन नीतीश कुमार से नजदीकी बढ़ा रहे थे तथा अक्सर पार्टी विरोधी बयानबाजियां कर रहे थे

पटना, 30 जनवरी। बिहार भाजपा ने अनुशासनहीनता के लिए अपने एक उपाध्यक्ष राजीब रंजन को निलंबित कर दिया। पार्टी ने राज्य इकाई के प्रमुख संजय जायसवाल का 29 दिसंबर को जारी एक पत्र साझा किया। हालांकि, इसके तुरंत बाद रंजन ने दावा किया कि उन्होंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से खुद ही इस्तीफा दिया है।

गौरतलब है कि, राजीब रंजन नीतीश के करीबी लोगों में से एक रहे हैं माना जा रहा है कि, इन दिनों वे चोरी छुपे नीतीश से एक बार फिर नजदीकियां बढ़ा रहे थे। भाजपा को इस बात की पहले से ही भनक लग चुकी थी उनको बार-बार चेतावनी भी दी गई थी।

बिहार भाजपा अध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा कि राजीब रंजन को मौखिक रूप से चेतावनियां दी गई थीं पर वो उनकी अनदेखी करते हुए पार्टी लाइन के विपरीत बयान देते रहे। जायसवाल ने इसके लिए उन्हें फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि प्रदेश उपाध्यक्ष रहते हुए राजीब के बयान अशोभनीय हैं। ये और पार्टी की प्रतिष्ठा पर भी गलत असर डालते हैं।

उन्होंने कहा कि राजीब रंजन को उनके पद से मुक्त कर छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया जाता है। खास बात यह है कि भाजपा ने शुक्रवार दोपहर तक इस पत्र को सामने नहीं रखा। उसने इसे तब जारी किया, जब रंजन ने एक बयान जारी कर आरोप लगाया कि पार्टी दलितों और ओ.बी.सी. के प्रति अच्छा रवैया नहीं रखती है। राजीब रंजन ने कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास के नारे से भटक गई है। बिहार में एजेंडा पटना केंद्रित हो गया है। उनके पैतृक जिला नालंदा भी भाजपा के लिए दोयम दर्जे की जगह है। बीजेपी जिस तरह की राजनीति कर रही है वो उनकी समझ से परे है। पार्टी के अंदर का यह घमासान ऐसे समय में सामने आया है, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा 3 जनवरी को प्रदेश के दौरे पर आने वाले हैं। राजीब रंजन, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले जनता दल (यूनाइटेड) के साथ रहे हैं।

मुंबई में 140 किलो नशीली दवायें बरामद

मुंबई, 30 दिसंबर (वार्ता)। मुंबई सीमा शुल्क, जोन-3 ने शुक्रवार को अन्तर्राष्ट्रीय अवैध बाजार में 140.57 किलो तक दवाओं को नष्ट कर दिया जिसकी कीमत 538 करोड़ रुपये तक आंकी गयी। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी।

आधिकारिक बयान में बताया गया कि जोन-3 के तहत मुंबई सीमा शुल्क

- **मुंबई सीमा शुल्क विभाग के अनुसार इन नशीली दवाओं का बाजार मूल्य 538 करोड़ रु. है।**

के तीन आयुक्तालयों ने अवैध दवाओं को जब्त करके, नष्ट कर दीं।

नष्ट की गई दवाओं में 56.06 किलो हेरोइन और 33.81 किलो हशीश शामिल हैं।

बयान के मुताबिक, एयर कार्गो एक्सपोर्ट आयुक्तालय ने 21.70 किलो हशीश और डी.आर.आई. ने 29 किलोग्राम हेरोइन जब्त की।

यूक्रेन ने यू.एन. के तत्वावधान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एजेन्सी की रिपोर्टर्स कहते है कि मॉस्को ने कीव के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और इसकी तुलना ''कम्प्यूटर एंटर'' अर्थात ''404 एंटर'' से की है। न्यूज़ एजेंसी एसोसिएटेड प्रैस को दिए एक साक्षात्कार में यूक्रेन के विदेश मंत्री दमाइत्रो कुलेबा ने कहा कि कीव चाहता है कि दो माह के भीतर एक शांति सम्मेलन हो और रूस से युद्ध का अंत हो जाए।

कुलेबा ने कहा कि उन्हें रूस के शामिल होने की उम्मीद नहीं है उन्होंने यह भी कहा कि 2023 में युद्ध जीतने के लिए जो भी संभव हो रूस वह सब करेगा। कुलेबा ने कहा, हरेक युद्ध कूटनीतिक तरीकों से खत्म होता है और हरेक युद्ध रण भूमि में की गई कार्यवाही और वार्ता टेबल पर उठाए

रूस के यू.एन. में फर्स्ट डिपुटी परमानैंट रिप्रैज़ेन्टेटिव दमित्री पॉल्यानस्की ने कीव के प्रस्ताव पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा ''रूस के बिना कौनसा शांति सम्मेलन हो सकता है?''

कुलेबा के शांति प्रस्ताव का उल्लेख करने के अलावा पॉल्यानस्की ने जोर दिया कि यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान जारी कर आरोप लगाया है कि रूस ने संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता अवैध तरीके से हासिल की थी इसलिए इसे निकाला जाए।

पॉल्यानस्की के अनुसार यू.एन. सुरक्षा परिषद में किसी ने भी यू.एन. में यूक्रेन के स्थायी सदस्य सर्गेई किसलित्सा के बयानों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पॉल्यानस्की ने कहा कि, अगर हम इन दोनों बातों को साथ लाएं तो दोनों ही परस्पर विशिष्ट हैं इसलिए रूस के बिना कौनसा शांति सम्मलेन हो सकता है।

पॉल्यानस्की ने कहा, यूक्रेन बिना शांति सम्मेलन की कल्पना बेहद आसान है, पर ऐसा होना तमाम कुलेबा और किसलित्सा के लिए बुरे सपने जैसे होंगे।

अक्टूबर मे जी-7 को संबोधित करते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ैलेन्स्की ने इस स्टैप शांति फॉर्मूला का प्रस्ताव रखा था जिसमें एक वॉर ट्राइब्यूनल का प्रस्ताव था ताकि कीव में किए गए युद्ध अपराधों के लिए क्रैमलिन को दोषी ठहराया जा सके।

पिता पर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थित पिता के घर छोड़ा था। वहीं लॉकडाउन खत्म होने के बाद याचिकाकर्ता और उसके पिता ने मुकेश कुमार को कई बार कहा कि, वह उन्हें वापस ले जाए। इसके बावजूद भी मुकेश उन्हें लेने नहीं आया। याचिका में कहा गया कि, गत सात दिसंबर को मुकेश कुमार घर के बाहर खेल रहे दोनों बच्चों का अपहरण कर अपने साथ ले गया और उन्हें बंधक बना लिया। इस संबंध में याचिकाकर्ता ने गुमशुदगी कराने के लिए थाने में परिवाद दिया, लेकिन पुलिस ने उसे दर्ज नहीं किया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता की संतानों को उसके पिता से रिहा कराया जाए। सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने मुकेश कुमार को नोटिस जारी करते हुए अतिरिक्त महाधिवक्ता को दोनों बच्चों को दस जनवरी को अदालत में पेश करने को कहा है।

ओ.बी.सी. आरक्षण लागू करवाने की जद्दोजहद में योगी सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुँची

योगी सरकार चाहती है कि, निकाय चुनाव से पहले ओ.बी.सी. आरक्षण लागू हो जाये ताकि इसका पार्टी राजनीतिक लाभ ले सके

- **गौरतलब है कि, निकाय चुनाव में ओ.बी.सी. आरक्षण की घोषणा पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने गत दिनों रोक लगा दी थी।**

नई दिल्ली, 30 दिसंबर (वार्ता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शहरी क्षेत्र के स्थानीय निकाय के चुनावों में अन्य पिछड़ी जातियों (ओ.बी.सी.) को आरक्षण देने के प्रावधान वाली अधिसूचना रद्द करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को त्रुटिपूर्ण करार देते हुए गुरुवार को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 27 दिसंबर के अपने फैसले में ओ.बी.सी. आरक्षण के प्रावधान को रद्द करते हुए राज्य सरकार को बिना ओ.बी.सी. आरक्षण तत्काल चुनाव कराने का आदेश दिया था। उच्च न्यायालय ने राज्य के कई नगर पालिकाओं के कार्यकाल 31 जनवरी 2023 को समाप्त होने के तथ्य पर गौर करते हुए बिना ओ.बी.सी. आरक्षण तत्काल चुनाव कराने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत के समक्ष दायर याचिका में राज्य सरकार ने तर्क देते हुए कहा है कि उच्च न्यायालय ने स्थानीय शहरी निकायों के चुनाव में ओ.बी.सी. के लिए सीटों में आरक्षण के प्रावधान संबंधी 5 दिसंबर की अधिसूचना के प्रारुप को रद्द नहीं कर सकती।

द्रव्यवती नदी में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पक्का कर उसकी नियमित साफ-सफाई करने और वहां पर गंदगी नहीं होने की जिम्मेदारी दी गई थी। प्रार्थना पत्र में यह भी कहा गया है कि, गत दस नवंबर को प्रार्थी परिवार सहित द्रव्यवती नदी को देखने गया तो वहां जगह-जगह गंदगी मिली। इसके साथ ही नदी से निकाले गए कचरे को भी वहीं पटका हुआ था। जबकि प्रोजेक्ट के अनुसार नदी में बहने वाले पानी को ट्रीट करके साफ किया जाना था। नदी के पानी में आ रही भयंकर बदबू व गंदगी से परिवादी की तबीयत खराब हो गई। इतना ही नहीं, गंदगी के कारण आस-पास के लोगों व यहाँ पर घूमने आने वालों का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो रहा है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि, जेडीए व टाटा प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी है कि वे नदी को साफ-सुथरा रखें व उसमें गंदगी नहीं होने दें, लेकिन दोनों की लापरवाही के चलते द्रव्यवती नदी में गंदगी के ढेर लगे हुए हैं, इसलिए अदालत द्वारा जेडीए व टाटा प्रोजेक्ट को निर्देश दिए जाएं कि वे नदी को साफ-सुथरा रखें और उसमें गंदगी नहीं होने दें। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेडीए और टाटा प्रोजेक्ट से जवाब तलब किया है।

1979 में इंदिरा गांधी के समय कांग्रेस के पास केवल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खिलाफ अशोक गहलोत ने सार्वजनिक रुप से तथा खुले आम अपशब्दों का प्रयोग किया हो, लेकिन केन्द्रीय नेतृत्व ने गहलोत ने डॉट-फटकार तक नहीं लगाई।

विधानसभा चुनावों में अब एक साल से कम समय रह गया है तथा बुरी तरह से बँटी हुई भाजपा को केवल इस एक ही बात का सहारा है कि गांधी परिवार अशोक गहलोत को ही मुख्यमंत्री बना रहने दे। यह स्थिति भाजपा नेतृत्व के अनुकूल रहेगी क्योंकि गहलोत मुख्यमंत्री रहते, भाजपा अपनी आसान जीत के प्रति आश्वस्त है। इस साल ने गहलोत को प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने सम्बंध सुधारते भी देखा है। यह वर्ष इस बात का भी साक्षी है कि अडानी ग्रुप, संभवत: नरेन्द्र मोदी के इशारे पर, अशोक गहलोत की मदद के लिये आया था तथा बहुत बड़ी पूँजी के लगातार निवेश पर सहमति बन गई थी।

घोर आश्चर्य की बात यह रही कि राहुल गांधी, जो अम्बानी एवं अडाणी के कटु आलोचक हैं, ने गौतम अडाणी द्वारा अशोक गहलोत के साथ हाथ मिलाने पर कोई खास टिप्पणी तक नहीं की। अच्छे इरादों तथा निर्विघ्न ड्राइविंग वाला रास्ता अपार दौलत ही प्रशस्त किया करती है। राहुल गांधी भले ही नैतिकता पर कितने ही भाषण देते हैं, कितने ही ट्वीट करते हो, लेकिन वे भी दौलत के इस प्रकरण में अपवाद नहीं हैं।

गहलोत के नेतृत्व में, पार्टी ने कोई भी चुनाव नहीं जीता है लेकिन फिर भी पार्टी उनके खिलाफ कदम उठाने से डरती है। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी बनकर रह गई है, जिसका नेतृत्व ऐसे चाटुकारों और चापलूसों से घिरा रहता है, जो स्वयं तो कोई चुनाव जीत नहीं सकते, लेकिन नेतृत्व को यह सलाह जरुर देते रहते हैं कि चुनाव कैसे (नहीं) जीता जाता है।

गहलोत के कुशासन तथा गांधी परिवार के कमजोर नेतृत्व का खामियाजा एवं आघात जितना राजस्थान ने भुगता है, उतना किसी अन्य राज्य ने नहीं भुगता।

अगर एकाएक तथा जबरदस्त सर्जरी नहीं की गई, तो ऐसे हालात के चलते अगले वर्ष कांग्रेस पार्टी सर्वनाश की स्थिति तक पहुंच जायेगी।

सरकार दो लाख मेगा डेयरियां खोलेगी देश में

मांड्या, 30 दिसंबर (वार्ता)। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि तीन साल में ग्रामीण स्तर पर दो लाख प्राथमिक डेयरियां स्थापित कर भारत दुग्ध क्षेत्र में बड़ा निर्यातक बनकर उभरेगा।

शाह ने यहां मेगा डेयरी का उद्घाटन करने के बाद कहा कि तीन साल में देश भर में ग्रामीण स्तर पर दो लाख प्राथमिक डेयरियां स्थापित की जाएंगी, जिसके माध्यम से देश के किसानों को श्वेत क्रांति से जोड़कर भारत दुग्ध क्षेत्र में एक बड़ा निर्यातक बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि 260 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा डेयरी प्रतिदिन 10 लाख लीटर दूध का प्रसंस्करण करेगी और इसे बढ़ाकर 14 लाख लीटर प्रतिदिन करने की क्षमता होगी। जब 10 लाख लीटर दूध संसाधित होता है तो लाखों किसानों के घरों में समृद्धि आती है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

बड़ी बचत

WAGONR ₹57 000* ALTO K10 ₹72 000* S-PRESSO ₹66 000*
CELERIO ₹36 000* EECO ₹35 100*

ऑफ़र सिर्फ़ स्टॉक रहने तक मान्य है।

WAGONR ALTO K10 S-PRESSO CELERIO EECO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: bharat.mittal@maruti.co.in

AUTHORISED DEALERS: BIKANER: DUDI AUTOMOBILES: CALL: 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: CALL: 7412075151. **AURIC MOTORS**: CALL: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER: RELAN MOTORS**: CALL: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: CALL: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: CALL: 9773364861. LALSOT: CALL: 9773364863. BANDIKUI: CALL: 9773364864. MAHWA: CALL: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: CALL: 9773364865. UNIARA: CALL: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: CALL: 7412077062. SAMBHAR: CALL: 7412068410. ACHROL: CALL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: CALL: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: CALL: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: CALL: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: CALL: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: CALL: 8058794021. BAGRU: CALL: 8058401166. KOTPUTLI: CALL: 8058794121. JOBNER: CALL: 8058796065. RENWAL: CALL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: CALL: 8058794042. DUDU: CALL: 8058406655. PHAGI: CALL: 8058403338. KANOTA: CALL: 8058794167. TUNGA: CALL: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: CALL: 9549651924. CHAKSU: CALL: 9549651926. SHAHPURA: CALL: 8696925275. DEOLI: CALL: 8696934957. MALPURA: CALL: 9549650513. NIWAI: CALL: 9667777114. PAOTA: CALL: 9549650495. VIRATNAGAR: CALL: 6350612446. JAMWA RAMGARH: CALL: 6350612727. **SANGA AUTOMOBILES PVT. LTD.:** CHOMU: (MORIJA ROAD): CALL: 9772210096 / 9772210906. GOVINDGARH: CALL: 9772210451. **ALWAR: MG MOTORS:** CALL: 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: CALL: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: CALL: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: CALL: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: CALL: 8955664400. **CHURU: AURIC MOTORS:** CALL: 01562-250696, 8875010502. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: CALL: 0744-2365092, 9829035100. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: CALL: 0744-2439000, 9829799009. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: CALL: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: CALL: 9116178527. BHAWANIMANDI: CALL: 9116178557. KHANPUR: CALL: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: CALL: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: CALL: 6377715171. AHORE: CALL: 9015900500. SAYLA: CALL: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: CALL: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: CALL: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: CALL: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: CALL: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** CALL: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** CALL: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: CALL: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: CALL: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: CALL: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: CALL: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: CALL: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: CALL: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** CALL: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: CALL: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Offer includes consumer offer, retail support, exchange offer and ISL/ Rural offer (wherever applicable) on WagonR (1.2 L Petrol- all variants except AGS), Alto K10 (Petrol- LXI variant only), S-Presso (Petrol- all variants except AGS), Celerio (Petrol- all variants except AGS) and Eeco (Petrol- all variants except Cargo, Flexi and ambulance). *Terms & Conditions apply. Creative visualization. The terms and conditions are subject to change without any prior notice. All offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Offers may vary from variant to variant. All offers shown are valid for limited period & for limited stock only. For more details, please contact your nearest ARENA dealership. Colors shown may vary from actual body colors due to printing on paper. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. Price applicable on the date of invoice shall be applicable. Above offers are valid till 31st December 2022 or till stocks last, whichever is earlier.